कार्तिक शुक्ल पक्ष दशमी/एकादशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 118 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
01 नवंबर 2025 शनिवार

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
28 अधिकतम
20 न्यूनतम

Page-7

मध्यप्रदेश के 70वें स्थापना दिवस पर पर्यटकों को बड़ी सौगात

पीएमश्री हेली सेवा से प्रदेश में पर्यटन की नई उड़ान

तीन सेक्टर में एक दर्जन से अधिक टूरिस्ट प्लेस जुड़ेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के स्थापना दिवस पर आज पीएमश्री हेलीकॉप्टर पर्यटन सेवा शुरुआत की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समेत 2 केंद्रीय मंत्रियों को लेकर हेलिकॉप्टर भोपाल से उज्जैन के लिए उड़ा। हालांकि, यात्रियों के लिए नियमित सेवा 20 नवंबर से शुरू होगी। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू एवं प्रदेश के पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी उद्घाटन कार्यक्रम में मौजूद रहे। मुख्यमंत्री यादव ने फ्लैग ऑफ किया।

प्रदेश के पर्यटन विभाग द्वारा संचालित यह हवाई सेवा विभिन्न शहरों को जोड़ेगी। माना जा रहा है कि इस सेवा के शुरू होने के बाद प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र को नई उड़ान मिलेगी। इसे पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत चलाया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला ने कहा कि मध्यप्रदेश देश में इंट्रा स्टेट एयर कनेक्टिविटी संचालित करने वाला प्रथम राज्य है। पीएम श्री हवाई पर्यटन हेलीकॉप्टर सेवा से प्रदेश में प्रमुख धार्मिक, वन्यजीव एवं प्राकृतिक पर्यटन स्थलों के बीच यात्रा अधिक सुविधाजनक और आकर्षक बनेगी। साथ ही देसी-विदेशी पर्यटकों के लिए यात्रा अनुभव और भी समृद्ध होगा।

सप्ताह में पांच दिन रहेगी हेलीकॉप्टर सेवा

इस सेवा का संचालन प्रत्येक सेक्टर में सप्ताह में पांच दिन किया जाएगा। सेवा संचालन के लिए सेक्टर-1 में मेसर्स ट्रांस भारत एविएशन और सेक्टर-2 और सेक्टर-3 में मेसर्स जेट सर्व एविएशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ तीन वर्ष की अवधि के लिए अनुबंध किए गए हैं। प्रारंभिक चरण में निजी ऑपरेटर द्वारा प्रत्येक सेक्टर में हेलीकॉप्टर संचालित किए जाएंगे। जिनमें कम से कम छह यात्री सीटें होंगी।

एमपी @ 2047 दृष्टि पत्र का अनावरण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के स्थापना दिवस पर 'अभ्युदय मध्य प्रदेश' के अंतर्गत विकसित मध्यप्रदेश 2047 दृष्टि पत्र का आज यहां रवींद्र भवन में अनावरण किया।

अंदर खास

बहुआयामी होगा मप्र का 70वां स्थापना दिवस
सीएम करेंगे अभ्युदय मध्यप्रदेश का शुभारंभ, समा बांधेंगे जुबिन

मप्र स्थापना दिवस का लाल परेड मैदान पर भव्य आयोजन - पेज 2

हेलीकॉप्टर सेवा का पहला क्षेत्र भोपाल से उज्जैन, इंदौर, मांडव और ओंकारेश्वर है। वहीं, दूसरा क्षेत्र नर्मदापुरम जिले स्थित हिल स्टेशन पचमढ़ी के साथ ही छिंदवाड़ा जिले के तामिया और छतरपुर जिले में स्थित विश्व धरोहर स्थल खजुराहो है। इसके साथ ही तीसरा क्षेत्र जबलपुर, कान्हा, पेंच और पन्ना राष्ट्रीय उद्यानों तक है। मध्य प्रदेश में सबसे अधिक पर्यटक इन्हीं जगहों पर आते हैं। सरकार लगातार इन जगहों के विकास के लिए कार्य कर रही है। टाइगर रिजर्व पार्कों में हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं।

एकादशी पर आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम में बड़ा हादसा

वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में मची भगदड़ से 9 श्रद्धालुओं की मौत

श्रीकाकुलम, एजेंसी

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में शनिवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ, जब काशी बुग्गा वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भगदड़ मच गई। इस हादसे में कम से कम 9 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

यह हादसा कार्तिक मास की एकादशी के अवसर पर हुआ, जब मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी थी। शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार मंदिर परिसर के प्रवेश द्वार के पास अचानक भीड़ का दबाव बढ़ गया, जिससे लोगों में अफरा-तफरी मच गई और भगदड़ की स्थिति पैदा हो गई। कई लोग गिर पड़े और उनके ऊपर भीड़ चढ़ती चली गई।

जानकारी मिलते ही प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को नजदीकी सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। जिला प्रशासन ने स्थिति पर कड़ी नजर रखी हुई है और अतिरिक्त

पुलिस बल तैनात कर दिया गया है ताकि हालात पर काबू पाया जा सके।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा, 'श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़ की घटना से हड़कंप मच गया है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुखद है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैंने अधिकारियों को घायलों को सर्वोत्तम संभव उपचार प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। मैंने स्थानीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से घटनास्थल का दौरा करने और राहत कार्यों की निगरानी करने को कहा है।

राजस्थान गए मप्र के 4 लोगों की जान गई

बीकानेर/भोपाल, एजेंसी

राजस्थान के फलोदी-बीकानेर नेशनल हाईवे-11 पर सड़क किनारे खड़े टेम्पो को ट्रॉले ने पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में मध्य प्रदेश के दंपती समेत चार लोगों की मौत हो गई। 12 लोग घायल हैं। इनमें तीन बच्चे, 6 महिलाएं और 3 पुरुष शामिल हैं। हादसा शुक्रवार रात 10 बजे हुआ था। थानाधिकारी भंवराराम ने बताया- टीना (12) पुत्री राय सिंह और जगदीश (32) पुत्र रामजी की मौके पर ही मौत हो गई। पूजा (30) पत्नी जगदीश ने जोधपुर रेफर के दौरान ओसियां के पास दम तोड़ दिया। टेम्पो ड्राइवर गोपीलाल पुत्र बंशीलाल की जोधपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद आस-पास लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस के को-ऑर्डिनेटर भंवरलाल कुमावत समेत दो एम्बुलेंस मौके पर पहुंचीं। सभी घायलों को फलोदी जिला अस्पताल पहुंचाया गया। फलोदी जिला अस्पताल में पीएमओ डॉ.अभिषेक अग्रवाल, पूर्व पीएमओ डॉ. प्रेमप्रकाश सुथार और डॉ. कैलाश जोशी सहित पूरा नर्सिंग स्टाफ घायलों के इलाज में जुट गया।

न्यूज विंडो

क्रिकेटर श्रेयस अय्यर को अस्पताल से मिली छुट्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को आज को सिडनी के अस्पताल से मिली छुट्टी मिल गई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसकी पुष्टि कर दी है और बताया है कि अब उनका स्वास्थ्य कैसा है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मैच के दौरान श्रेयस की पसलियों में चोट लग गई थी। यह चोट उस समय लगी जब वह बैकवर्ड प्वाइंट से पीछे की ओर दौड़ते हुए कैच ले रहे थे। उन्हें आईसीयू में रखा गया था, लेकिन बीसीसीआई ने बताया कि अब वह फिट हैं और उन्हें अस्पताल से छुट्टी भी मिल गई है। कैच पकड़ते वक्त चोटिल हुए थे श्रेयस श्रेयस को चोट लगने के कारण आंतरिक रक्तस्राव हो रहा था जिस कारण उन्हें आईसीयू में रखा गया था।

भारतीय मूल के सीईओ ने किया 4200 करोड़ का घोटाला

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी निवेशक कंपनी ब्लैकरॉक कथित तौर पर 500 मिलियन डॉलर (4,200 करोड़ रुपये) से अधिक के घोटाले का शिकार हो गई है। कंपनी ने भारतीय मूल के सीईओ बंकिम ब्रह्मभट्ट पर घोटाला करने का आरोप लगाया है। कंपनी का आरोप है कि ब्रह्मभट्ट की टेलीकॉम कंपनी ने फर्जी खाते की मदद से ठगी को अंजाम दिया है। हालांकि ब्रह्मभट्ट के वकील ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। ब्लैकरॉक की प्राइवेट क्रेडिट कार्ड इंवेस्टमेंट कंपनी एचपीएस ने ब्रह्मभट्ट की कंपनी के साथ सितंबर 2020 में डील की थी।

आज का कार्टून

हिंद-प्रशांत क्षेत्र को किसी भी दबाव से मुक्त रहना चाहिए : राजनाथ

नईदिल्ली, एजेंसी

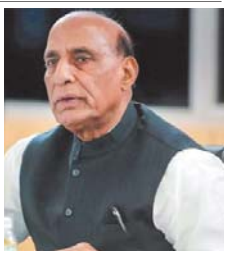

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र मुक्त, समावेशी और किसी भी प्रकार के दबाव से मुक्त रहना चाहिए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह बात क्षेत्र में चीन की सैन्य ताकत के प्रदर्शन को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच कही। दरअसल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह टिप्पणी मलेशिया के कुआलालंपुर में आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक (एडीएमएम-प्लस) में की। उन्होंने यह भी कहा कि भारत आसियान के नेतृत्व वाले समावेशी क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के पक्ष में है। उन्होंने एडीएमएम-प्लस को लेकर कहा कि यह एक मंच है जिसमें 11 देशों का आसियान (दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ) और उसके आठ संवाद साझेदार - भारत, चीन, ऑस्ट्रेलिया, जापान, न्यूजीलैंड, कोरिया गणराज्य, रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत की शुरुआत से ही एडीएमएम-प्लस सक्रिय और रचनात्मक भागीदार बन रहा है। हमें तीन विशेषज्ञ कार्य समूहों की सह-अध्यक्षता का अवसर प्राप्त हुआ है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन का उद्घाटन कर बोले प्रधानमंत्री -

राज्यों के विकास में ही देश का विकास

रायपुर, एजेंसी

छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना रजत जयंति वर्ष के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवा रायपुर अटल नगर में राज्य के नए विधानसभा भवन का उद्घाटन किया। साथ ही उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण किया। श्री मोदी ने 14,260 करोड़ की विभिन्न योजनाओं का शुभारंभ भी किया। प्रधानमंत्री नवनिर्मित ब्रह्माकुमारी संस्थान पहुंचे जहां भव्य शांति शिखर रिट्रीट सेंटर 'एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड' का उद्घाटन हुआ। 1.5 एकड़ में ये शांति शिखर ध्यान केंद्र बना है। पीएम के साथ राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री ने कहा आज का दिन विशेष है, क्योंकि तीनों राज्य अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा,

'राज्यों के विकास में ही देश का विकास निहित है। इसी मंत्र पर चलते हुए हम भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के अभियान में जुटे हैं।'

हैदराबाद एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

नईदिल्ली, एजेंसी

हैदराबाद में राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट को आज सुबह बम की धमकी वाला ईमेल मिला, जिसके बाद अधिकारियों ने इंडिगो की फ्लाइट को पास के एयरपोर्ट पर डायवर्ट कर दिया। राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के एक अधिकारी के अनुसार एयरपोर्ट से एक मैसेज मिला कि कस्टमर सपोर्ट आरजीआईए को एक ईमेल मिला है। ईमेल आईडी पपीता राजन से 5.25 बजे ये मेल भेजा जिसका सब्जेक्ट था। इंडिगो 68 की हैदराबाद जाने वाली लैंडिंग रोकें। 'ईमेल में लिखा था, 'एलटीटीई-आईएसआई के गुर्गों ने 1984 के मद्रास एयरपोर्ट कार्यप्रणाली शैली में एक बड़ा धमाका करने की योजना बनाई है। यह धमाका आरजीआईए पोर्ट के फ्यूजलेज और माइक्रोबॉट्स से फिक्स किए गए फ्यूल टैंक पर किया जाएगा। आईईडी में ताकतवर नर्व गैस होगी। फ्रैंकफर्ट ऑपरेशन उपायों का अध्ययन के लिए एक टेस्ट है। इसके बाद फ्लाइट डायवर्ड करने का निर्णय लिया गया।

मध्यप्रदेश में निवेश, नवाचार और रोजगार के संकल्प का अभ्युदय

डॉ. मोहन यादव

मध्यप्रदेश आज अपनी स्थापना के 70 वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। एक नवंबर 1956 को अस्तित्व में आये प्रदेश में विकास की नई यात्रा विगत दो दशकों से आरंभ हुई, जो प्रदेश को देश में अग्रणी राज्य बनाने की संभावनाओं तक पहुंच गई है। यह सुखद संयोग है कि आज देवउठनी ग्यारस के पावन अवसर पर राज्योत्सव का आयोजन किया जा रहा है। हमारे तीज, त्यौहार और परंपराएं हमारी संस्कृति का आधार हैं। उत्सव के आनंद से ही भविष्य निर्माण के भाव निर्मित होते हैं। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रदेश में सभी त्यौहारों को व्यापक स्वरूप में मनाया जा रहा है। अपने त्यौहारों का सांस्कृतिक संदर्भ ही हमें पुरातन से नूतन की प्रेरणा देता है।

हमारे लिए गर्व की बात है कि भारत का हृदय मध्यप्रदेश वन, जल, अन्न, खनिज, शिल्प, कला, संस्कृति, उत्सव और परंपराओं से समृद्ध है। हमें मां नर्मदा, चंबल, पार्वती, शिप्रा नदियों का सान्निध्य औरबाबा महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त है। यह भगवान परशुराम की जन्मस्थली, भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षास्थली और आदि शंकराचार्य जी की तपस्थली है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने चित्रकूट में लंबा समय व्यतीत किया है। इतिहास प्रसिद्ध राजा नल, भर्तृहरि, विक्रमादित्य की जन्म स्थली भी मध्यप्रदेश रही है। सम्राट विक्रमादित्य ने

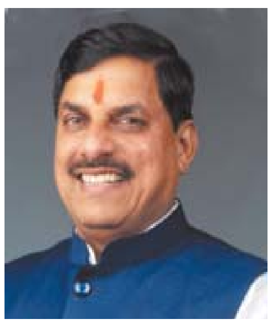

ही शकों के आतंक से भारत को मुक्त किया था। संसार की पहली वैज्ञानिक कालगणना विक्रम संवत का आरंभ भी मध्यप्रदेश के उज्जैन से हुआ था। मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि हम अपने ऐतिहासिक गौरव की दिव्यता और प्राकृतिक भव्यता के साथ विरासत से विकास की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को विश्व में सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए विकसित भारत निर्माण का संकल्प दिया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारा देश विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री के इस संकल्प को साकार करने और विकसित भारत निर्माण के लिए मध्यप्रदेश में निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश में उद्योग वर्ष मनाने के साथ राज्योत्सव की थीम उद्योग और रोज़गार रखी गई है। इसमें प्रदेश के सतत विकास, सांस्कृतिक समृद्धि और जनभागीदारी का भाव है। विविधता से समृद्ध मध्यप्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता, क्षमता और दक्षता है, जिसमें अनंत संभावनाएं हैं।

इसी को केन्द्र में रखकर हमने प्रदेश में रीजनल इन्वेस्टर्स समिट का नवाचार किया। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रदेश के हर क्षेत्र का कौशल और उद्योग इसमें शामिल हुआ है। कृषि क्षेत्र को नवाचार के साथ सशक्त बनाने की दिशा में एक नई क्रांति का सूत्रपात हुआ है। प्रदेश सरकार ने ड्रोन आधारित फसल निरीक्षण, स्मार्ट सिंचाई प्रणाली और कृषि उत्पाद मूल्य संवर्धन पर विशेष फोकस किया है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना और मुख्यमंत्री खेत-तालाब योजना सहित अन्य प्रयासों से किसानों के लिए सिंचाई क्षेत्र बढ़ाने का लगातार प्रयत्न किया जा रहा है। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और प्रदेशवासियों के सहयोग और संबल से कल्याणकारी नीतियों और निर्णयों को अमल में लाने में सफलता प्राप्त हुई है। मध्यप्रदेश की स्वर्णिम यात्रा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के साथ आगे बढ़ रही है। गरीब के चेहरे पर मुस्कान, किसान की खुशहाली, नारी का सम्मान और युवाओं का उज्ज्वल भविष्य हमारा संकल्प भी है और लक्ष्य भी। आइये, हम सब मिलकर समग्र विकास के साथ आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाएं और विकसित भारत के निर्माण में सहभागी बनें। प्रदेशवासियों को मध्यप्रदेश के 70 वें स्थापना दिवस की मंगलकामनाएं...।

- लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं

निवेशकों को सक्षम, सरल व सुरक्षित वातावरण दिया

व्यापार को सरल बनाने और निवेशकों से सीधे संवाद के लिए हमने वर्ष 2024 से उज्जैन से निवेश यात्रा शुरू की और फिर जबलपुर, ग्वालियर, सागर, रीवा, शहडोल, नर्मदापुरम, मुंबई, कोयंबटूर, बेंगलुरु, पुणे, दिल्ली, यूके, जर्मनी, जापान, दुबई तक इसे विस्तार दिया। विभिन्न सम्मेलनों, राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय रोड-शो के माध्यम से मध्यप्रदेश के निवेश में कई गुना वृद्धि हुई है। निवेशकों को एक सक्षम, सरल और सुरक्षित वातावरण प्रदान किया गया है। प्रदेश में इनोवेशन हब, स्टार्टअप पॉलिसी, फंडिंग सपोर्ट और इन्क्यूबेशन नेटवर्क स्थापित कर देश की स्टार्टअप क्रांति को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है। मुझे यह बताते हुए हर्ष है कि प्रदेश एक ऐसे परिवर्तनकाल से गुजर रहा है जहां निवेश, नवाचार और रोज़गार आधार स्तंभ हैं। लगभग दो वर्षों में प्रदेश ने उद्योग, कृषि, दुग्ध उत्पादन, पर्यावरण, ऊर्जा और सामाजिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियाँ अर्जित की हैं।

बहुआयामी होगा मप्र का 70वां स्थापना दिवस

सीएम करेंगे अभ्युदय मध्यप्रदेश का शुभारंभ, समा बांधेंगे जुबिन

ड्रोन शो में देखने को मिलेगी प्रदेश के विरासत और विकास की झलक

भोपाल, दोहपर मेट्रो

आज मध्यप्रदेश अपना 70वां स्थापना दिवस मना रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शाम को 'अभ्युदय मध्यप्रदेश' का शुभारंभ करेंगे। तीन दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यक्रम राजधानी के लाल परेड ग्राउंड में आयोजित होगा। समृद्ध, विकसित और सशक्त मध्यप्रदेश की झलक दिखाते इस उत्सव में केंद्रीय मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू, राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, मप्र के पर्यटन, संस्कृति राज्य मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। तीन दिनों तक चलने वाले इस भव्य उत्सव में गीत, संगीत, नृत्य, कला, शिल्प कला, छायाचित्र, सांस्कृतिक यात्रा, ड्रोन शो, आतिशबाजी इत्यादि गतिविधियों के माध्यम से मध्यप्रदेश की विरासत और विकास के रंग देखने मिलेंगे। कार्यक्रम में प्रदेश में निवेश प्रोत्साहन और उपलब्धियों पर आधारित 3 मिनट की फिल्म का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

500 कलाकार देंगे विशेष प्रस्तुतियां– प्रदेश के 500 कलाकार विशेष प्रस्तुति के रूप में भगवान श्रीकृष्ण की जीवन यात्रा को विश्ववंद समवेत प्रस्तुति में सांगीतिक रूप में प्रस्तुत करेंगे। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के अलावा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के माध्यम से विरासत से विकास पर आधारित एक भव्य ड्रोन शो की प्रस्तुति भी दी जायेगी जिसमें 2000 ड्रोन के माध्यम से अब तक का सबसे बड़ा विजुअल उत्सव होगा। आसमान में विकसित मध्यप्रदेश को नये और आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा।

पार्श्व गायक सुमधुर गीतों से बांधेंगे समां– इसके बाद सुप्रसिद्ध पार्श्वगायक जुबिन नौटियाल एवं ग्रुप मुम्बई द्वारा गीत-संगीत की सुमधुर प्रस्तुतियां दी जाएंगी। जुबिन रातां लम्बियां, हमनवां मेरे, तारों के शहर में गीतों को गाने के लिए लोकप्रिय हैं। इसके अलावा भव्य आतिशबाजी का नजारा भी प्रदेशवासी देख सकेंगे। एक नवम्बर, 2025 को सायंकालीन गतिविधि से पूर्व प्रातः 11 बजे से लाल परेड ग्राउंड, भोपाल में आयोजित विभिन्न प्रदर्शनियों का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ यादव करेंगे।

दोपहर 12 बजे से रात 10 बजे तक होंगी गतिविधियां

अभ्युदय मध्यप्रदेश के अंतर्गत लाल परेड ग्राउंड में प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से रात्रि 10 बजे तक विविध अनुषांगिक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इनमें विभिन्न प्रदर्शनियां प्रमुख आकर्षण होंगी, जिसमें विकसित मध्यप्रदेश 2047, मध्यप्रदेश के गौरव विक्रमादित्य और अयोध्या, विक्रमादित्य की मुद्राएं और सिक्के, आर्ष भारत, भारत विक्रम, मध्यप्रदेश की बावड़ियां, मध्यप्रदेश की पारंपरिक कला, मध्यप्रदेश में विरासत से विकास, मध्यप्रदेश के मंदिर देवलोक सम्मिलित हैं। इसके साथ ही एक जिला–एक उत्पाद अंतर्गत शिल्प मेला प्रदर्शन सह विक्रय एवं स्वाद देशज व्यंजन मेला का आयोजन भी किया जा रहा है। इसके अलावा 2 एवं 3 नवम्बर, 2025 को दोपहर 3 बजे से मध्यप्रदेश के जनजातीय एवं लोक नृत्य प्रस्तुतियां भी संयोजित की जा रही हैं। इसके अंतर्गत करमा, परधौनी, भगोरिया, गुन्नूरसाही, घसियाबाजा, भड़म, बधाई, गणगौर, मोनिया एवं अहिराई सहित कई नृत्य प्रस्तुतियां होंगी।

2 नवंबर : लोक और युवा ऊर्जा का संगम

दूसरे दिन प्रदेशभर से आए लोक कलाकारों और युवा प्रतिभाओं की प्रस्तुतियां होंगी। ''अभ्युदय मध्यप्रदेश'' की थीम पर आधारित लोकनृत्य, जनजातीय वेशभूषा प्रदर्शन और पारंपरिक संगीत की झलकियां मंच पर रंग भरेंगी। दिनभर प्रदर्शनियां, हैंडीक्राफ्ट शो और राज्य की कलात्मक धरोहर को दर्शाने वाला शिल्प मेला भी आकर्षण का केंद्र रहेगा।

3 नवंबर: सम्राट विक्रमादित्य का महानाट्य

अंतिम दिन दोपहर से ही लाल परेड ग्राउंड में प्रदर्शनियां और व्यंजन मेला खुले रहेंगे। शाम को दर्शकों के लिए प्राचीन भारत के गौरवशाली अतीत में 'महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य' का मंचन होगा। उज्जैन की ''विशाला सांस्कृतिक समिति'' द्वारा प्रस्तुत इस नाटक में 150 कलाकार, जीवंत रथ, अश्व और एलईडी ग्राफिक्स के स्पेशल इफेक्ट्स के साथ विक्रमादित्य की वीरता और न्यायप्रियता की कथा जीवंत करेंगे। रात का समापन मुंबई की गायिका स्नेहा शंकर की सुरमयी प्रस्तुतियों से होगा, जिन्होंने 'चांद के टुकड़े', 'मेरा महबूब' और 'हकूना मटाटा' जैसे गीतों से संगीतप्रेमियों के दिलों में जगह बनाई है।

परेशानी-अरेरा कॉलोनी में व्हाइट टॉपिंग की सड़कें 8 से 10 इंच ऊंची

घरों-दुकानों के सामने भरेगा पानी

भोपाल। अरेरा कॉलोनी की डामर सड़कों में बार-बार होने वाले गड्ढों से निजात पाने के लिए यहां व्हाइट टॉपिंग का काम शुरू हो गया है। लेकिन, इस व्हाइट टॉपिंग से सड़कें 8 से 10 इंच ऊंची हो रही हैं। इलाके में ड्रेनेज नेटवर्क नहीं होने से घरों और दुकानों में पानी भरना तय है। यही नहीं, दस नंबर इलाके में मेन रोड पर व्हाइट टॉपिंग के दौरान सीवर लाइन ही नीचे दबा दी गई है। ऐसे में व्हाइट टॉपिंग की यह सड़कें शहर में नई मुसीबत लेकर आएंगी।

इन दिनों वंदे मातरम चौराहा से 10 नंबर की ओर जाने वाली सड़क पर व्हाइट टॉपिंग का काम चल रहा है। पिछले एक महीने में जितनी सड़क बनी हैं, उनमें मेन रोड पर स्थित दो सीवेज चैंबर सड़क के नीचे धंस गए हैं। इसके अलावा सड़क के किनारे और सेंट्रल वर्ज पर देखने पर साफ समझ आ रहा है कि सड़क 8 से 10 इंच तक ऊपर हो गई है। अरेरा कॉलोनी के रहवासी और बिट्टन मार्केट के व्यापारियों ने

बताया कि रात में कई टू व्हीलर चालक गिर रहे हैं। दिन में भी वंदे मातरम चौराहे पर भी गाड़ियों के गिरने का खतरा बना हुआ है। मार्केट के सामने वाले हिस्से में करीब दो फीट डामर रोड पर व्हाइट टॉपिंग नहीं की गई है, जिससे यहां दो-तीन परेशानियां हो रहीं हैं। एक तो सड़क पहले से संकरी हो गई, दूसरा फुटपाथ और सड़क के बीच बने गैप में पानी भरेगा।

भोपाल दुग्ध संघ फैक्ट्री गेट पर रेनोवेट हो रहा सांची कैफे

शहर का का पहला सुंदर, सुरक्षित और हरियालीयुक्त स्पॉट, सेल्फी प्वाइंट भी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

राजधानी मुख्यालय भोपाल में रानी कमलापती स्टेशन के प्लेट फार्म नम्बर पांच के बाहर हबीबगंज मार्ग पर स्थित भोपाल सहकारी दुग्ध संघ फैक्ट्री गेट पर खूबसूरत, हरियालीयुक्त सांची कैफे का रेनोवेशन कार्य शुरू किया गया है, जो दो माह के भीतर बनकर तैयार हो जाएगा। कैफे प्रवेश द्वार से लेकर परिसर में सांची सेल्फी प्वाइंट तक और हाईजीनिक व आधुनिक किचिन से लेकर कोल्ड स्टोरेज का निर्माण शामिल है। कैफे पर सिर्फ व सिर्फ सांची ब्राण्ड के उत्पादों का ही विक्रय करवाया जाएगा। ताकि उपभोक्ताओं को सांची उत्पादों को क्रय करने में सुलभता रहे।

यह होंगी खासियत

–परिसर के अंदर मिलेगा हरियालीयुक्त वातावरण।
–प्राकृतिक फूलों वाले खूबसूरत गमलों से सजा रहेगा परिसर।
–उत्पादों को सुरक्षित रखने होगा कैफे कोल्ड स्टोरेज।
–हाईजीनिक और आधुनिक होगा कैफे किचिन।
–कैफे परिसर में सांची सेल्फी प्वाइंट भी होगा।
–कैफे में सेवाएं देने वाले सेवाप्रदायकों की होगी सांची ड्रेस।
–सुरक्षित, सुव्यवस्थित फैमिली कैफे का होगा एहसास।
–आकर्षक–खूबसूरत, स्वागत–वंदन, धन्यवाद वाला होगा कैफे प्रवेश द्वार।

सांची उत्पाद ही मिलेंगे

–सांची डेयरी से निर्मित उत्पाद मैप पेडा, बृज पेडा, छेनाखीर, मिल्क केक, सादा–मीठा दही, पनीर, टेबल वटर, घी इत्यादि होंगे विक्रय।
–विभिन्न प्रकार के ताजे दूध के सांची पैकेट्स होंगे विक्रय।
–सांची दूध क्रीम से निर्मित कैंडी, कोन, फेमिली पैक आइसक्रीम उपलब्ध रहेगी।
–शुद्ध घी से निर्मित सांची कुकीज होगी उपलब्ध।

उद्योग एवं रोज़गार वर्ष 2025
इन्वेस्ट मध्यप्रदेश
अनंत संभावनाएं
डॉ. मोहन यादव का
अभ्युदय मध्यप्रदेश
70 वां स्थापना दिवस समारोह शुभारंभ
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
मुख्य अतिथि
किंजरापु राममोहन नायडू
केन्द्रीय मंत्री, नागर विमानन मंत्रालय
कार्यक्रम
1 नवम्बर 2025
ड्रोन शो
विरासत से विकास
विश्ववन्द
भगवान श्रीकृष्ण की सांगीतिक यात्रा
सुगम संगीत
सुप्रतिष्ठित कलाकार जुबिन नौटियाल एवं साथी
आतिशबाजी
2 नवम्बर 2025
सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य
सुगम संगीत
सुप्रतिष्ठित कलाकार हंसराज रघुवंशी एवं साथी
जनजातीय लोकनृत्य
अपराह्न 3:00 बजे से
3 नवम्बर 2025
सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य
सुगम संगीत
सुप्रतिष्ठित कलाकार स्नेहा शंकर एवं साथी
जनजातीय लोकनृत्य
अपराह्न 3:00 बजे से
♦ शिल्प मेला
♦ संस्कृति, कला, सभ्यता और विकास पर आधारित प्रदर्शनियां
♦ देशज व्यंजन मेला 'स्वाद'
प्रतिदिन सायं 6:30 बजे से । लाल परेड ग्राउंड, भोपाल
मध्यप्रदेश की स्थापना के 70वें वर्ष पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
विकास की नई ऊंचाइयां छूते हुए जन-जन की खुशहाली हमारा संकल्प है।
- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
सीधा प्रसारण
webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhypradesh @JansamparkMP
JansamparkMP
D-11130/25

ट्रैक पर आए रिश्ते

ईरान के चाबहार बंदरगाह पर भारत को अमेरिकी प्रतिबंधों से मिली छूट बड़ी राहत है । भले अभी यह केवल 6 महीने के लिए हो, लेकिन बातचीत के जरिये दोनों देश आगे कोई न कोई रास्ता निकाल सकते हैं। यह खबर भारत-अमेरिका रिश्तों में हो रहे सुधार का संकेत देती है।

रणनीतिक अहमियत: ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में, 2018 में भारतीय कंपनियों को चाबहार डिवेलप करने की छूट दी थी। लेकिन, दूसरी बार सत्ता संभालते ही उन्होंने इस छूट को खत्म करने के एग्जिक्यूटिव ऑर्डर पर साइन कर दिए। उनका यह आदेश 29 सितंबर से लागू हुआ था। भारत के लिए चाबहार केवल व्यापार के नजरिये से महत्वपूर्ण नहीं, जहां उसने अरबों रुपये का निवेश किया है - इसकी अहमियत रणनीतिक भी है।

चीन को जवाब: चाबहार एक साथ चीन और पाकिस्तान दोनों को जवाब है। चीन अपने महत्वाकांक्षी BRI प्रॉजेक्ट के तहत पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट को डिवेलप कर रहा है । चाबहार से नई दिल्ली को अफगानिस्तान और मध्य एशिया में एंट्री का नया रास्ता मिल जाता है, वह भी पाकिस्तान जाए बिना। भारत, रूस और ईरान ने मिलकर इंटरनैशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर की योजना बनाई थी और चाबहार इसका अहम हिस्सा है।

वार्ता का असर~एक महीने में ही अमेरिकी रुख में आया बदलाव बताता है कि नई दिल्ली और वॉशिंगटन की बातचीत सही दिशा में चल रही है। महत्वपूर्ण है कि इस छूट की घोषणा से कुछ ही घंटों पहले एशिया पैसिफिक के मंच से ट्रंप ने बताया था कि भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील जल्द होने वाली है।

रिश्तों में स्थिरता: अमेरिका ने अगस्त में भारत पर 50त्न टैरिफ थोपा था। तब से अभी तक दोनों देशों के संबंध कई उतार- चढ़ाव से गुजरे हैं। इस दौरान ट्रंप ही नहीं, उनके व्यापार सलाहकार पीटर नवारो और वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भी भारत के खिलाफ यानबाजी की और दबाव बनाने का प्रयास किया। लेकिन, अब रिश्तों में स्थिरता आती दिख रही है।

भारत की जरूरत: चीन के साथ अमेरिका की रेयर अर्थ को लेकर दो बार भिड़ंत हो चुकी है। स्कॉट बेसेंट तो यहां तक कह चुके हैं कि इस लड़ाई में भारत को अमेरिका का साथ देना चाहिए। अभी भले ट्रंप और शी ने मिलकर मुद्दे सुलझा लिए हों, पर चीन पर दबाव बनाए रखने के लिए स्को भारत जैसा साथी चाहिए। इस बदली हवा में भारत के लिए भी संदेश है कि वह ट्रेड डील से लेकर रूसी तेल तक, हर मुद्दे पर अपनी बात मजबूती से रखे।

स्थापना दिवस पर विशेष

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में विकसित होता मध्यप्रदेश

सुरेश पचौरी
वरिष्ठ भाजपा नेता, पूर्व केन्द्रीय मंत्री

मध्यप्रदेश राज्य की स्थापना का एक नवम्बर का दिन मध्यप्रदेशवासियों के लिए खास अहमियत रखता है । भारत का हृदय कहा जाने वाला मध्यप्रदेश 1 नवम्बर 1956 को अस्तित्व में आया, जिसका गठन तत्कालीन मध्यभारत,विंध्य प्रदेश, भोपाल रियासत तथा महाकौशल के कुछ हिस्से को एकीकृत कर किया गया था । प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर तथा झीलों की नगरी कहे जाने वाले भोपाल को प्रदेश की राजधानी बनाया गया । 44 वर्षों के बाद प्रदेश का विभाजन हुआ और जनता की मांग पर तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा नए राज्य म.प्र. का गठन किया गया । अतीत पर नजर डाली जाए तो मध्यप्रदेश ने अपने गठन और विभाजन के दौर में अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं लेकिन अब यह राज्य प्रगति के नये सोपान नाप रहा है। एक ओर जहां इस राज्य को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विशेष वरदहस्त एवं मार्गदर्शन प्राप्त है, वहीं दूसरी ओर कर्मठ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कुशल नेतृत्व है। डबल इंजन की सरकार में मध्यप्रदेश तरक्की की ठोस बुनियाद पर खड़ा दिखाई दे रहा है।

मध्यप्रदेश राज्य की तस्वीर और तकदीर बदलने की दिशा में केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा जो कल्याणकारी कदम उठाये गये हैं, उनकी सार्थकता जमीनी स्तर पर साफ दिखाई देती है । प्रदेश की जनता की खुशहाली और समरस विकास के लिए तमाम जनहितैषी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जो इस बात की गवाह हैं कि मध्यप्रदेश आने वाले दिनों में सर्वश्रेष्ठ राज्य के रूप में अपनी पहचान बनाने में कामयाब रहेगा । इस विकासोन्मुखी अभियान के पीछे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की वह दूरगामी सोच है, जिसमें समाज के अंतिम छोर में बैठे व्यक्ति को भी शासन की योजनाओं से लाभान्वित करने का संकल्प है। खुद को प्रधान सेवक कहने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अनेक बार अपनी इस भावना को अभिव्यक्त कर चुके हैं कि विकास के उजाले का लाभ चंद लोगों को नहीं, बल्कि हर देशवासी को मिलना चाहिए ।

अतीत के आईने में मध्यप्रदेश के इतिहास, भूगोल और संस्कृति पर दृष्टिपात करें तो यह राज्य अनेक विविधताओं को अपने में समेटे हुए है । प्रचुर वन संपदा, अथाह जल वाली नदियां, विपुल खनिज भंडार, खूबसूरत पर्यटन स्थल, पुरातात्विक धरोहर आदि सब कुछ इस प्रदेश में उपलब्ध है । धार्मिक नगरी उज्जैन में भगवान महाकाल का विश्व प्रसिद्ध मंदिर है, तो ओरछा में राम राजा विराजमान हैं । मध्यप्रदेश अपने ऐतिहासिक महत्व के लिए भी जाना जाता है। नर्मदा, सोन, चंबल, बेतवा, केन, ताप्ती, पेंच, पार्वती, बेनगंगा, रेवा तथा माही आदि नदियों के उद्गम स्थल यहीं पर हैं । ये नदियां प्रदेश की चारों दिशाओं में प्रवाहित होती हैं । नर्मदा को तो मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी माना जाता है । प्रदेश के एक तिहाई भूभाग के निवासियों को नर्मदा आर्थिक रूप से संपन्न बनाती है । नर्मदा नदी पर निर्मित सरदार सरोवर, इंदिरा सागर और ओंकारेश्वर परियोजनाओं से प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के द्वार खुल गये हैं । भारतीय जनता पार्टी की सरकार के शासन काल में नर्मदा को क्षिप्रा से जोड़ा जा चुका है ।

केन्द्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश अव्वल: प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दिशा-निर्देशन में मध्यप्रदेश तेजी से विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। केन्द्र सरकार की प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन और उनका लाभ पात्र हितग्राहियों को दिलाने में म.प्र. देश में लगातार अग्रणी बना हुआ है । पीएम स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, पीएम आवास योजना, कृषि अवसंरचना निधि, प्रधानमंत्री मातृ-वंदना योजना, पीएम स्वामित्व योजना, नशामुक्त भारत अभियान, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, राष्ट्रीय आजीविका मिशन और स्वच्छ भारत मिशन आदि योजनाओं के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश देश में सबसे अग्रणी है ।

म.प्र. में बेटी बोझ नहीं, वरदान: मध्यप्रदेश में बेटी अब बोझ न होकर वरदान बन गयी है । प्रदेश की महिलाओं के कल्याणार्थ राज्य सरकार द्वारा तमाम योजनाएं चलाई जा रही हैं । लाड़ली बहना, लाड़ली लक्ष्मी, कन्यादान योजनाओं द्वारा महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ठोस कदम है । इन लाभकारी योजनाओं का अनुसरण देश के कई राज्यों ने किया है । इन योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से महिलाओं के स्वास्थ्य व पोषण स्तर में सुधार आया है । म.प्र में लाड़ली बहना योजना के तहत 1.27 करोड़ महिलाओं को प्रति माह 1500 रुपए दिये जा रहे हैं।

अपार संभावनाएं हैं प्रदेश में: मध्यप्रदेश में जिस तेजी के साथ तरक्की की रफ्तार बढ़ रही है और आम आदमी को सरकारी योजनाओं का भरपूर फायदा मिल रहा है, उसके मद्देनजर यह कहा जा सकता है कि म.प्र. अपार संभावनाओं वाला प्रदेश बन रहा है । इसमें समृद्ध राज्य बनने की क्षमता तथा संसाधन दोनों मौजूद हैं। प्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर हम सबको मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाने का संकल्प लेने की जरूरत है । मध्यप्रदेश के निवासियों के लिए यह गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का मध्यप्रदेश से आत्मीय लगाव है । उनका जब भी मध्यप्रदेश आगमन होता है तो वे प्रदेश को कोई न कोई बड़ी सौगात देकर ही जाते हैं । उम्मीद की जानी चाहिए कि यशस्वी प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश विकास की तीव्र उड़ान भरेगा । मध्यप्रदेश की विकास यात्रा में हमें यथासामर्थ्य अपनी जिम्मेदारी निभाने की आवश्यकता है । यह आत्मबोध हमारे सुनहरे भविष्य का पर्याय बनेगा । मध्यप्रदेश के 70वें स्थापना दिवस के सुअवसर पर प्रदेशवासियों की खुशहाली व सुख-समृद्धि के लिए मेरी हार्दिक मंगलकामनायें ।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

गौरवशाली इतिहास से परिचित करवाने का सशक्त माध्यम - महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य

अशोक मनवानी
प्रभारी संयुक्त संचालक, जनसम्पर्क विभाग

भारतीय इतिहास में अनेक प्रतापी शासक हुए हैं। ऐसे ही शासक थे सम्राट विक्रमादित्य। उन्होंने न्याय, शौर्य और कालगणना के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुआ। सम्राट विक्रमादित्य के सम्मान में इस वर्ष बहुआयामी प्रयास हुए हैं। कुछ वर्ष पहले वार्षिक विक्रमोत्सव प्रारंभ हुआ, फिर विक्रम विश्वविद्यालय का नाम संशोधित किया गया, जो विक्रम विश्वविद्यालय था। यह सम्राट विक्रमादित्य की प्रतिष्ठा के अनुकूल सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय हो गया है। ये सब मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से हुआ है।

मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर राजधानी के नागरिक महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य देखेंगे। विक्रम संवत प्रारंभ करने वाले कल्याणकारी शासक रहे सम्राट विक्रमादित्य के सम्मान में महत्वपूर्ण कदम मध्यप्रदेश सरकार द्वारा उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री निवास के मुख्य द्वार पर विक्रमादित्य वैदिक घड़ी स्थापित की गई है। वार्षिक विक्रम उत्सव की शुरुआत कर राज्य सरकार ने सम्राट विक्रमादित्य को यथोचित सम्मान देने का कदम उठाया था। शासकीय कैलेंडर में विक्रम संवत का भी उल्लेख प्रारंभ किया गया है। इस क्रम में हाल ही में सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का नई दिल्ली में अप्रैल-2025 में मंचन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस महानाट्य के माध्यम से रंगमंच के महत्व से भी पूरे राष्ट्र को अवगत करवा दिया है। वैसे तो इस डिजिटल युग में सूचना और मनोरंजन के कई फॉर्मेट लोकप्रिय हो चुके हैं, लेकिन भारतीय नाट्यशास्त्र की सुदृढ़ और समृद्ध परंपरा से जन-जन को विशेष रूप से युवा वर्ग को परिचित करवाने के लिए नई दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य नाटक का निरंतर तीन दिन मंचन होना महत्व रखता है। मध्यप्रदेश से जो संदेश पूरे राष्ट्र में पहुंचा है वह यह है कि अभिनय, प्रकाश संयोजन, संगीत, वेशभूषा और विशाल मंच के माध्यम से हमारे पौराणिक चरित्रों का जीवन सामने आना चाहिए। हमारे वे आदर्श शासक और आराध्य जो युवा पीढ़ी द्वारा भुला दिए गए हैं उन्हें युवा पीढ़ी को जानकारी देकर इस गौरवशाली अध्याय से अवगत करवाना सराहनीय है। युवाओं में सृजन की शक्ति है, जिज्ञासा का तत्व भी विद्यमान है तो फिर उन्हें इन राष्ट्र के आदर्श प्रतीकों की जानकारी से वंचित क्यों रखा जाए और बच्चे भी कलाओं के प्रति रुचि रखते हैं, वे भी इस विधा के लिए जिज्ञासु हो सकते हैं। उन्हें महान व्यक्तित्वों के बारे में ज्ञानवर्धक विवरण देने वाले नाटक मंचन से जोड़ा जाए, यह समय की मांग है।

राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मान: सम्राट विक्रमादित्य के गुणों के अनुकूल योगदान देने वाले व्यक्ति सम्मानित हों, इस उद्देश्य से जहां पांच-पांच लाख रूपए के तीन राज्य स्तरीय सम्मान देने का प्रावधान किया गया, वहीं 21 लाख रूपए के राष्ट्रीय सम्मान और एक करोड़ एक लाख रूपए सम्मान निधि के अंतर्राष्ट्रीय विक्रमादित्य सम्मान प्रारंभ करने की पहल की गई। निश्चित ही यह सम्मान और पुरस्कार सम्राट विक्रमादित्य के सुशासन, साहस और भारतीय संस्कृति को पोषित करने की परम्पराओं को निरंतर बनाए रखने के लिए प्रेरक बनेंगे।

प्रतापी शासक राजा भोज और अन्य सेनानियों की गाथा भी आएगी मंच पर: भोपाल में कुछ वर्ष पूर्व लाल परेड मैदान पर जाणता राजा का हिंदी में मंचन हुआ, जिसमें शिवाजी महाराज के कृतित्व को दर्शाया गया था। हालांकि जाणता राजा नाटक का एकाध मंचन ही हुआ। देश की राजधानी में लाल किले पर तीन दिन लगातार सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का मंचन मध्यप्रदेश के लिए गर्व की बात है। इसमें कोई संदेह नहीं कि यह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का नवाचार है। नई दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य नाट्य मंचन सफल रहा है। हाथी, घोड़ों के उपयोग और बीसियों की संख्या में कलाकार दल के साथ इतिहास के उस दौर को जीवंत करना साधारण कार्य नहीं है।

प्रधानमंत्री के संकल्प की भी पूर्ति : राज्यों में नाटक सहित लोक कलाओं के विकास के साथ भारतीय गौरव का स्मरण करते हुए देश की प्राचीन संस्कृति, भारतीय अस्मिता को सामने लाना आवश्यक है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सिर्फ कहने के लिए विरासत से विकास की बात नहीं कही, वे चाहते हैं इसका दायरा विस्तृत हो। हमारे युवा हेरिटेज वॉक करें। वे किलों और स्मारकों को देखें। शौर्य और मेधा के धनी भारत के शासकों के योगदान से परिचित हों। भारतीय स्वाभिमान के प्रसंग चर्चा का विषय बनें। सिर्फ बंद कमरों में संगोष्ठियां न हों बल्कि भारत के ऐसे गौरवशाली व्यक्तित्व बच्चों के बीच भी जाने जाएं।

रंगमंच कलाकार भी उत्साहित: रंगमंच से जुड़े देश के हजारों कलाकारों का मन हर्षित है और वे मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति आभार का भाव रखते हैं जो उन्होंने इस कला को महत्व और राज्याश्रय भी दिया। सैकड़ों कलाकारों को प्रोत्साहित किया। थिएटर की शक्ति सही दिशा में और सही विषय को लेकर दिखाई दी है। इस नाते मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर लाल परेड ग्राउंड भोपाल में दो और तीन नवंबर को होने जा रहा नाटक विक्रमादित्य का मंचन दर्शकों द्वारा निश्चित ही पसंद किया जाएगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सुविचार

बड़ा सोचो, जल्दी सोचो, आगे सोचो। विचारों पर किसी का अधिकार नहीं है ।
-धीरूभाई अंबानी

निशाना

भूखे को तू रोटी लिख..!

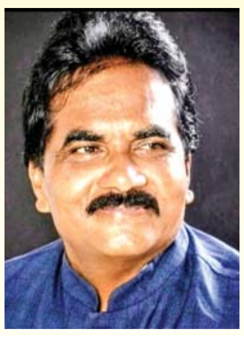

घनश्याम मैथिल 'अमृत'

भूखे को तू रोटी लिख,
एक कहानी छोटी लिख ,
क्यों जुलाहा नंगा है ,
उसको एक लंगोटी लिख,
राजनीति शतरंज हुई ,
जनता उसमें गोटी लिख ,
ठोकर खाकर भूल गया ,
अक्ल है उसकी मोटी लिख,
पांच साल में बस वादे
नीयत है उसकी खोटी लिख,
कुछ झोंपड़ियां ढूंढ रहे,
कुछ के बंगला कोठी लिख,
रेंग रहे कुछ धरती पर,
कुछ को ऊंची चोटी लिख।

विंटर सीजन

कमरे हीटर जलाकर सो रहे हैं तो कटोरे में रखें पानी, बैलेंस होगी नमी

सर्दियां दस्तक दे चुकी हैं। भारत के कई हिस्सों में भंयकर ठंड पड़ती है। इससे बचने के लिए लोग अपने कमरे में हीटर का इस्तेमाल करते हैं ताकि रूम का तापमान सामान्य रहे और वे ठंड से बच सकें। कई लोगों की आदत हीटर पूरी रात चलाने की होती है और वे हीटर चलाकर सोते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि जब आप ठंड से बचने के लिए अपने कमरे में हीटर चलाकर सोते हैं, तो वह कमरे की नमी को सोख लेता है और हवा को पूरी तरह ड्राई बना देता है। इस कारण आप कई बीमारियों के शिकार भी हो जाते हैं। कई लोगों को रात में गला सूखना, आंखों में जलन, स्किन डैमेज, सिरदर्द और सांस लेने में दिक्कत होने लगती हैं। हालांकि आप एक छोटी सी ट्रिक का इस्तेमाल करके इससे बच सकते हैं। आपको बस अपने कमरे में एक कटोरा पानी भरकर रखना होगा।

पानी रखने के फायदे: बता दें कि हीटर को चलाकर सोने से कमरे की नमी खत्म हो जाती है और हवा ड्राई हो जाती है। इससे बचने के लिए आप अपने कमरे में एक कटोरा पानी भरकर रख सकते हैं। आपको हीटर के सामने एक कटोरा पानी भरकर रखना है। इससे कमरे में नमी यानी ह्यूमिडिटी बैलेंस हो जाएगी और वातावरण आरामदायक हो जाएगा। यह छोटा सा उपाय आपके बच्चों और बुजुर्गों के लिए काफी उपयोगी होगा।

कमरे में हीटर के सामने पानी रखने से नमी बनी रहती है। इस कारण आपके होंठ नहीं फटते हैं। गले में खराश की दिक्कत नहीं आती है।रात में अच्छी नींद आती है। सुबह उठकर थकान महसूस नहीं होती है। हीटर चलाकर पूरी रात सोने वालों को कई बातों का खास ध्यान रखना चाहिए। उन्हें सीधे अपने चेहरे या शरीर की तरफ हीटर नहीं रखना चाहिए। बड़े पर्दे, बिस्तर, सोफा जैसी जनले वाली चीजों को हीटर से दूरी पर रखें।

पूरी रात हीटर को फुल पावर पर नहीं चलाएं। टाइम या फिर लो मोड का इस्तेमाल करना सही होगा।कमरे में हल्का वेंटिलेशन या खिड़की थोड़ी सी खोलकर रखें। बच्चों और पालतू जानवरों को हीटल के पास गलती से भी अकेला न छोड़ें। हीटर का सही इस्तेमाल करके आप उसे एक उपयोगी प्रोडक्ट बना सकते हैं। वहीं, इसका गलत इस्तेमाल आपके लिए खतरनाक भी साबित हो सकता है। इस कारण इसको यूज करते समय जरूरी और तकनीकी सावधानियां बरतें।

हेल्थ टिप्स

स्वाद और सेहत का कॉम्बिनेशन है मशरूम कॉफी, इसमें... पोषक तत्वों का भंडार

मशरूम कॉफी को रेगुलर कॉफी की तुलना में ज्यादा सेहतमंद माना जाता है। इसका कारण मशरूम में मौजूदा सेहत का खजाना है। मशरूम कॉफी टेस्ट और हेल्थ का बेहतरीन कॉम्बिनेशन माना जाता है। यही वजह है कि आजकल लोगों के बीच यह काफी लोकप्रिय हो रहा है। चूंकि मशरूम में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, ऐसे में इसे पीने से कई तरह के स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। इस कॉफी में कैफीन की मात्रा भी बेहद कम होती है। कुल मिलाकर मशरूम कॉफी पीने से आप काफी एनर्जेटिक महसूस कर सकते हैं। मशरूम कॉफी में मशरूम होते हैं लेकिन असल में यह कॉफी ही है। आमतौर पर इसमें पिसे हुए मशरूम और पीसी हुई कॉफी बीन्स का बराबर मिश्रण होता है। इसका स्वाद भी आपकी रेगुलर कॉफी जैसा ही होता है।

डायबिटीज के मरीजों के लिए इस कॉफी का सेवन काफी फायदेमंद माना जाता है। इसके अलावा मशरूम कॉफी पीने से और भी कई लाभ मिलते हैं। यह एक खास प्रकार के मशरूम से तैयार की जाती है। चागा, लायनस माने, रीशी और कार्डिसेप्स जैसे मशरूमों से बनती है। एक रेगुलर कॉफी के तुलना में इसमें कैफीन की मात्रा बेहद कम होती है। ऐसे में सेहत की लिहाज से यह बहुत ही फायदेमंद मानी जाती है। इसका सेवन हर उम्र के लोग कर सकते हैं।

पोषक तत्वों से भरपूर: यह कॉफी स्वाद और सेहत से भरपूर मानी जाती है। इसमें पोषक तत्वों का भंडार होता है। इसमें विटामिन बी, डी, पोटेशियम, सेलेनियम और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। इसे पीने से एनर्जी मिलती है। इसके अलावा इसमें इम्यून सिस्टम को बढ़ावा देने वाले गुण भी पाए जाते हैं।

मशरूम कॉफी में एंटीऑक्सीडेंट और बीटा ग्लूकॉन मौजूद होते हैं जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करते हैं और बीमारियों से बचाव करते हैं। चूंकि इसमें कैफीन की मात्रा कम होती है ऐसे में से इसे पीने से बेचैनी और घबराहट की समस्या नहीं होती है। मशरूम कॉफी में प्रीबायोटिक होते हैं जो गट में गुड बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं और इससे पाचन भी बेहतर होता है।

इस कॉफी को बनाने के लिए रीशी मशरूम का उपयोग किया जाता है। यह मशरूम तनाव को कम करने और मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाने में मदद करता है।

मशरूम कॉफी की रेसिपी आप अपने टेस्ट के अनुसार भी बदल सकते हैं। जिन लोगों को किडनी यह पाचन संबंधी समस्याएं रहती है वह इसके प्रभावों के प्रति अधिक सेंसिटिव हो सकते हैं। इसके अलावा मशरूम कॉफी में अक्सर इस्तेमाल किए जाने वाले कुछ प्रकार के मशरूम में ऑक्सलेट नामक कंपाउंड की मात्रा काफी अधिक होती है। ऑक्सलेट की अधिक मात्रा वाले आहार से किडनी की पथरी होने का खतरा बढ़ जाता है।प्रेग्नेंट या ब्रेस्टफीडिंग करने वाली महिलाओं को भी मशरूम कॉफी नहीं पीनी चाहिए।

बचत बोनांज़ा

फ्लिपकार्ट की नई सेल में एक बार फिर आईफोन की कीमतें कम, शुरुआती कीमत 46999 रुपये

फ्लिपकार्ट पर बिग बचत सेल शुरू हो गई है। इसमें ग्राहकों को बड़ी बचत करने का मौका मिल रहा है। सेल में आईफोन सस्ते हो गए हैं। आईफोन 16 से लेकर आईफोन एयर तक, कई मॉडल्स पर हजारों रुपये का डिस्काउंट मिल रहा है। इस सेल में सिर्फ आईफोन ही नहीं बल्कि सैमसंग, मोटोरोला, ओप्पो के फोन्स पर भी बेहतरीन डील्स हैं। इससे पहले आई सेल में अगर आप आईफोन नहीं खरीद पाए हैं तो एक बार फिर मौका मिल रहा है। सस्ते में नए आईफोन खरीद सकते हैं। आइये, आईफोन के ऑफर्स डिटेल में जानते हैं।

46,999 का मिल रहा आईफोन 14: मात्र 46,999 रुपये में आईफोन 14 मिल रहा है। इस फोन में 6.1 इंच का डिस्प्ले दिया गया है। साथ ही, फोन के बैक साइड में 12MP + 12MP का कैमरा मिलता है। फ्रंट में भी 12MP का कैमरा दिया गया है। डिवाइस A15 Bionic चिप के साथ आता है।

फ्लिपकार्ट बिग बचत सेल में आईफोन 16 को 60,499 रुपये में खरीदा जा सकता है। ऐपल की वेबसाइट पर इसकी कीमत 69,900 रुपये है। इसका मतलब सेल में फोन लगभग 10 हजार रुपये सस्ता मिल रहा है। यह 128GB स्टोरेज वाले वेरिएंट की कीमत है। फोन में A18 चिपसेट मिलता है। इसमें 12MP का फ्रंट और 48MP का मेन कैमरा मिलता है। फोन में 6.1 इंच की स्क्रीन दी गई है। आप अपने पुराने फोन को एक्सचेंज भी कर सकते हैं।

सेल में आईफोन 16 प्रो 1,09,900 रुपये का मिल रहा है। iPhone 17 को 82900 में खरीदने का मौका मिल रहा है। इस फोन में 6.3 इंच का Super Retina XDR डिस्प्ले दिया गया है। फोन के बैक में 48MP + 48MP डुअल रियर कैमरा सेटअप दिया गया है। इसके फ्रंट में 18MP का फ्रंट कैमरा मिल रहा है। फोन A19 चिपसेट के साथ आता है। इसी तरह आईफोन एयर 1,16,900 रुपये का मिल रहा है। इस आईफोन में 6.5 इंच का Super Retina XDR डिस्प्ले दिया गया है। यह अभी तक का सबसे पतला आईफोन है। इसमें A19 चिपसेट मिलता है। अगर आप सोच रहे हैं कि सेल में सिर्फ आईफोन पर ऑफर है तो ऐसे नहीं है। इस सेल में सैमसंग के फ्लिप और फोल्डेबल फोन भी सस्ते मिल रहे हैं। कंपनी की गैलेक्सी एक सीरीज के फोन्स की कीमत भी गिर गई है। इसके अलावा, वीवो, ओप्पो के फोन्स पर भी छूट है।

मप्र स्थापना दिवस पर नर्मदापुरम में हुआ भव्य समारोह..

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो। मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर जिले में आज मुख्य पुलिस परेड ग्राउंड में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रदेश की राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने समारोह का शुभारंभ ध्वजारोहण कर किया और राष्ट्रीय गान के गायन के बाद कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत हुई। जिले के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से मध्यप्रदेश की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और विकास यात्रा को खूबसूरती से प्रदर्शित किया। कार्यक्रम का समापन मध्य प्रदेश गान के साथ किया गया, जिसने प्रदेश के गौरवशाली इतिहास और भविष्य की झलक प्रस्तुत की। समारोह में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा, सांसद दर्शन सिंह चौधरी, सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला, कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी, कलेक्टर सोनिया मीना, आईजी मिथिलेश कुमार, डीआईजी प्रशांत खरे, एसपी साईं कृष्ण एस. थोटा, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन सहित अनेक जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पत्रकारों से चर्चा के दौरान मंत्री कृष्णा गौर ने कहा कि यह दिन प्रदेशवासियों के लिए गर्व और सम्मान का प्रतीक है। हमारा प्रदेश हमारा मान, सम्मान और स्वाभिमान है। आज का दिन हमारी परंपराओं, मूल्यों और उत्कृष्टता की भावना को दोहराने का अवसर है।

कुर्मी समाज ने किया मनाई पटेल की जयंती

सिरोंज। कुर्मी क्षत्रिय समाज ने शुक्रवार को लौहपुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती मनाई। जिसमें वक्ताओं ने सरदार पटेल की व्यक्ति एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शो को जीवन में आत्मसात करने की बात कही। इस अवसर पर सामाजिक संगठन और एकता पर चिंतन किया गया। इसके साथ ही सिरोंज शहर में सरदार पटेल की प्रतिमा स्थापित करवाने का प्रस्ताव भी सर्वसहमती से पास किया गया। इस अवसर पर कुर्मी समाज के जिलाध्यक्ष भैरोसिंह कुर्मी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष दरयाब सिंह कुर्मी, पूर्व नपाध्यक्ष संतोष चौरे, लक्ष्मणसिंह कटियार, नवल कुर्मी और नरेन्द्र पाटीदार आदि उपस्थित थे।

कांग्रेसियों ने भी किया पटेल का स्मरण : ब्लाक एवं नगर कांग्रेस कमेटी ने भी सरदार पटेल की जयंती मनाकर उनका स्मरण किया। कांग्रेस नेताओं ने सरदार पटेल के जीवन वृत्त पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश यादव, नगर अध्यक्ष इरशाद गौरी, अशोक यादव, गगनेन्द्र रघुवंशी, रजत गौड़, भरतदीप मेहता, अरविंद नगीना और सुव्हान गौरी के साथ ही अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कंस के पुतले को कराया नगर भ्रमण

गंजबासौदा। वासुदेव की नगरी बासौदा में पहली बार बासौदा उत्सव समिति द्वारा कंस का पुतला दहन किया जाएगा। इसके लिए आयोजक समिति ने तैयारी पूर्ण कर ली हैं। पुतला दहन के पूर्व कार्तिक शुक्ल पक्ष दशमी शुक्रवार को कंस के पुतले का नगर भ्रमण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया एक नबंवर दिन शनिवार को भगवान श्री कृष्ण कथा एवं 2 नवंबर रविवार को रात्रि 8 बजे मामा कंस का वध कर पुतला दहन किया जाएगा। कार्यक्रम आयोजक दीपक तिवारी ने बताया रावण और कंस बुराई के प्रतीक थे कंस दहन, कंस वध का प्रतीक है जो दशहरा जैसे त्योहारों पर बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न मनाने के लिए किया जाता है। इसमें बुराई और अहंकार के प्रतीक के रूप में कंस के पुतले को जलाया जाता है।

धूमधाम से मनाई गई सरदार पटेल की जयंती

मंडीदीप। शहर में शुक्रवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर सतलापुर वॉर्ड क्रमांक 13 के ग्राउंड में स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया और उनकी स्मृतियों को नमन किया गया। उपस्थित जनों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शुभकामनाएं दी गईं। कुर्मी क्षत्रिय समाज सतलापुर द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष प्रियंका राजेंद्र अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ता शामिल हुए। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्र की एकता व अखंडता के सूत्रधार तथा भारत रत्न से सम्मानित लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल का संपूर्ण जीवन राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सद्भावना को समर्पित रहा। वहीं शहर में सतलापुर स्थित लॉजिस्टिक्स हब से रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। इसमें भाजपा नेता राजेंद्र अग्रवाल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे और खिलाड़ी उत्साहपूर्वक शामिल हुए। यह दौड़ राष्ट्रीय एकता के संदेश को मजबूत करने का प्रतीक बनी।

चोरियों के खुलासे के बजाए पुलिस सराफा व्यापारियों को परेशान कर रही

सराफा व्यापारी बोले- माल जब्ती के नाम पर आधी रात दुकान खुलवाना अनुचित...

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

लगातार हो रही चोरियों के मामलों का खुलासा पुलिस भले ही न कर पा रही हो चोरी के सामान की खरीदी के नाम पर व्यापारियों से पूछताछ का सिलसिला जरूर शुरू कर दिया है। पुलिस के रवैये से परेशान सिरोंज के अनेक सराफा व्यापारी शुक्रवार को एसपी रोहित कासवानी के पास पानी पीड़ा लेकर पहुंचे। यहां उन्होंने एसपी को आवेदन देकर बताया कि 29 अक्टूबर को पुलिस ने रात 11 बजे सराफा व्यापारियों को फोन लगाकर बुलाया और दुकान खुलवाकर माल जब्ती की बात कही। सराफा संघ के अध्यक्ष ने आधी रात का समय होने की हवाला देकर सुबह दुकान खुलवाने की बात पुलिस से कही। इस पर पुलिस ने अध्यक्ष और अन्य व्यापारियों से अभद्र व्यवहार किया। पुलिस व्यापारियों को थाने लेकर पहुंची और रात में ही माल की जब्ती नहीं करवाने पर धारा 411 के तहत कार्रवाई की धमकी भी दे डाली। बात

केवल धमकी तक ही नहीं रूकी इस घटनाक्रम के बाद पुलिस मुल्जिमों को लेकर आधी रात में ही व्यापारियों की दुकानों पर पहुंची और दुकान खुलवाकर माल की जब्ती की।

पुलिस का रवैया अनुचित और व्यापारियों को परेशान करने वाला है : सराफा संघ के अध्यक्ष कैलाश सोनी और संरक्षक रामप्रकाश गर्ग ने बताया कि साहूकारी का लायसेंस रखने वाले व्यापारियों ने जेवरों को नियमानुसार गिरवी रखा है। इसके बाद भी व्यापारियों के साथ पुलिस का रवैया बेहद आपत्तिजनक है। इस तरह की कार्रवाई ये व्यापारियों और जनता में भय का माहौल उत्पन्न होता है। सराफा व्यापारियों को आधी रात में धमका कर माल की जब्ती करने की यह गलत है। अगर पुलिस ने अपने व्यवहार में सुधार नहीं किया तो सराफा व्यापार संघ आंदोलन और प्रतिष्ठान बंद करने को मजबूर हो जाएगा।

शहर हो रही हैं चोरियों की वारदात

पिछले कुछ महीनों में क्षेत्र में लगातार चोरियों की वारदातें हुई है। चोरों ने आम जनता के साथ ही किसान, नौकरीपेशा और वकीलों के घर को निशाना बनाया है। चोरी की वारदाते शहर के लगभग हर इलाके में हुई हैं। इनमें से अधिकांश मामलों के आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफत से बाहर है। कांग्रेस नेता रजत गौड़ ने बताया कि चोरियों का खुलासा करने के बजाय पुलिस द्वारा व्यापारियों को इस तरह से परेशान करना अनुचित है। इस कार्रवाई से तो ऐसा लग रहा है कि चोर ईमानदार और व्यापारी गलत हैं।

जांच की प्रक्रिया चल रही है...

टीआई विमलेश राय ने बताया कि चोरी के मामले में पूछताछ की चल रही है। व्यापारियों के यहां भी इसीलिए गए थे। मामले में जल्द खुलासा होगा। वहीं एसडीओपी सोनू डाबर ने बताया कि मैं छुट्टी पर हूं।

150 की जगह 200 किमी तक मिल सके एमएसटी का लाभ

सांसद ने रेलवे बैठक में उठा बड़ा मुद्दा

ट्रेन स्टॉपेज और नई मेमो सेवा की मांग पर दिया जोर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल के लेक फ्रंट ताज होटल में भोपाल मंडल परिक्षेत्र के सांसदों की बैठक पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक के साथ शुक्रवार को आयोजित की गई। बैठक में महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय ने विकास कार्यों की जानकारी दी। मंडल रेल प्रबंधक भोपाल पंकज त्यागी ने पावर पॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से मंडल की उपलब्धियों, वर्तमान विकास कार्यों के बारे में एवं भविष्य की योजनाओं का बैठक में उपस्थित सांसदों को जानकारी दी। बैठक में नर्मदापुरम-नरसिंहपुर लोकसभा क्षेत्र से जुड़े रेलवे विकास कार्यों, यात्री सुविधाओं और ढांचागत सुधारों पर विस्तृत चर्चा की गई। सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने क्षेत्र की जनसुविधा से जुड़ी कई प्रमुख मांगें रखीं। उन्होंने एमएसटी (मासिक सीजन टिकट) की दूरी सीमा 150 किलोमीटर से बढ़ाकर 200 किलोमीटर करने का आग्रह किया। इसके अलावा नरसिंहपुर, करेली, बोहनी, गाडरवारा, सालीचौका, जुनेहटा, बनखेड़ी, पिपरिया, सोहागपुर, गुरमखेड़ी, बागरा तवा, सोनतलाई, गुर्रा, इटारसी, पवारखेड़ा, ताकु, डोलरिया, सिवनी मालवा और नर्मदापुरम सहित कई स्टेशनों के विकास और ट्रेन स्टॉपेज की मांग की गई। रेलवे अंडरब्रिज और ओवरब्रिज के दुरुस्तीकरण, निर्माण एवं नक्शे में आवश्यक बदलावों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इन स्थानों में बनखेड़ी, मनकापुर, बांसखेड़ा, पिपरिया, सालीचौका, सोहागपुर, कन्हवार, इटारसी, खुटवासा, सोनासावरी, हथवास, नर्मदापुरम, बंगलिया और आजमगढ़ प्रमुख रूप से शामिल रहे। बैठक में यात्रियों की सुविधा के लिए शटल ट्रेन की जगह नई मेमो ट्रेन प्रारंभ करने का सुझाव भी दिया गया। सांसद ने कहा कि लोकमान्य तिलक-हरिद्वार एसी सुपरफास्ट एवं नागपुर-इंदौर त्रिशताब्दी एक्सप्रेस का ठहराव इटारसी स्टेशन पर किया जाए, जबकि पुरी-जोधपुर व चेन्नई-देहरादून ट्रेनों का ठहराव नर्मदापुरम पर सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही दयोदय एक्सप्रेस को इटारसी तक विस्तारित करने की भी मांग की। बैठक में अन्य सांसद और रेल अधिकारी मौजूद रहे।

25 कारीगर दे रहे मंदिर को भव्य स्वरूप

चित्तौडगढ़ के आर्किटेक्ट बना रहे हैं मंडीदीप में खाटूश्याम का भव्य मंदिर

मंडीदीप, दोपहर मेट्रो

आज खाटू श्याम का जन्मदिन है मंडीदीप में श्याम मित्र मंडली के द्वारा 25000 वर्ग फीट में करीब 10 करोड़ से अधिक की राशि से भव्य श्याम मंदिर का निर्माण किया जा रहा है जो कही न कही मध्यप्रदेश का सबसे पहला ऐसा मंदिर है जिसका स्वरूप राजस्थान के चितौड़गढ़ के ऐसे वास्तुकार (आर्किटेक्ट) के द्वारा बनाया गया है जहां लाखों की संख्या में श्रद्धालु श्री श्याम जी के श्रद्धालु एक समय में दर्शन कर सकेंगे। और श्याम जी के वस्तु संकल्प नियमों का पालन किया जाएगा वही मंडीदीप श्याम मित्र मंडल के पदाधिकारी संजय अग्रवाल ने बताया कि इस मंदिर का भूमि पूजन 10 मई 2024 को किया गया जहां हजारों भक्त इस नींव के साक्षी रहे। इस मंदिर का निर्माण करीब 18 जनवरी 2027 में पूर्ण होने की संभावना जताई जा रही है। इस मंदिर का निर्माण

इंडस्ट्रीज एरिया के वार्ड क्रमांक 13 में किया जा रहा। जिसे राजस्थान के 25 से अधिक कारीगर इसका भव्य आकार दे रहे है और तो और इसमें आंतरिक सुंदरता में प्रयोग होने वाले पत्थर भी राजस्थान के ही होंगे ।

प्रमुख श्याम मित्र मंडली के संजय अग्रवाल ने बताया कि खाटू श्याम के मंदिर का निर्माण पहली बार मंडीदीप में इतना बड़ा और भव्य बनाया जा रहा है जो मध्यप्रदेश की पहली श्याम की किया हवेली है, श्याम भक्तों के लिए एक मिसाल होगी। जिसमें श्याम मंदिर के नाम से मंडीदीप की अलग पहचान होगी

3 साल से भी कम समय में होगा कार्य पूर्ण

इस मंदिर का पूरा निर्माण करीब 3 वर्ष में पूर्ण होगा। जिसमें अभी तक 40 प्रतिशत काम पूर्ण हो चुका है। जिसकी प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम जनवरी 2027 तय की गई है। जहां अलग अलग प्रदेश के लाखों श्याम प्रेमी इस कार्यक्रम के साक्षी होंगे।

खाटू श्याम को सजाया नोटो से

गंजबासौदा। वार्ड क्रमांक 13 चक स्वरूप नगर में खाटू श्याम दरबार विशेष रूप से नोटो से सजाया गया है। आज बाबा का जन्म उत्सव है जन्म उत्सव के उपलक्ष में शाम को भजन संध्या एवं रविवार को शाम 7 बजे से अन्नकूट महोत्सव मनाया जाएगा। जिसमें खाटू श्याम के सैंकड़ों भक्त शामिल होंगे और पूजन अर्चन करेंगे।

मेट्रो एंकर

सार्थक पहल : 15 अगस्त से चलाया था नपा ने शहर में निर्माल्य वाहन

घरों-मंदिरों की पूजन सामग्री से बनेगी अगरबत्ती और जैविक खाद

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शहर के मंदिरों और घरों से निकलने वाली पूजन सामग्री के एकत्रीकरण के लिए नपा की सार्थक पहल को काफी प्रशंसा मिल रही है। मंदिरों में भगवान की पूजा के बाद यहां से निकलने वाली निर्माल्य सामग्री को लेकर प्रबंधन अक्सर चिंता में रहता है। जिन मंदिरों में प्रबंधन मजबूत नहीं होता वहां की निर्माल्य सामग्री कई बार यहां-वहां दिखाई देती है। इनमें फूल माला, भगवान के चित्र और अन्य सामग्री शामिल रहती है। जब यह सामग्री लापरवाही से यहां-वहां बिखरी दिखाई देती है तो श्रद्धालुओं को काफी अखरता है। उनकी इस समस्या को समझते हुए नपा द्वारा दो महीने पहले 15 अगस्त को निर्माल्य वाहन चला कर एक सार्थक शुरूआत की थी। इसके लिए नपा द्वारा केवल चुनिंदा मंदिरों की निर्माण सामग्री के एकत्रीकरण के लिए निर्माल्य वाहन चलाने का निर्णय लिया। शुरूआत में इस वाहन से चुनिंदा मंदिरों की निर्माल्य सामग्री ही एकत्रित की गई लेकिन जैसे-जैसे मंदिर प्रबंधन समिति को पता चलता गया तो वे खुद इस व्यवस्था से जुड़ते गए। अब दो महीने में ही हालात ये हो गए हैं कि शहर के 50 से ज्यादा मंदिरों की निर्माल्य सामग्री इस वाहन से एकत्रित होने लगी है।

नागरिक खुद कॉल कर बुलाते हैं: छतरी नाका स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर के पुजारी दीपक महाराज ने बताया कि नपा के इस प्रयास की जितनी प्रशंसा की जाए कम है। लोगों की आस्था को नपा प्रबंधन ने काफी अच्छी तरह से समझा है। गृहणी भावना राठौर ने बताया कि अब निर्माल्य सामग्री के व्यवस्थित उपयोग को लेकर हम निश्चिंत हो गए हैं। अच्छी बात ये है कि नपा प्रबंधन मंदिरों के अलावा घरों की निर्माल्य सामग्री को भी सम्मानजनक तरीके से एकत्रित कर रहा हैं। वाहन चालक मनमोहन त्यागी ने बताया कि अब पुजारी, मंदिर प्रबंधन समिति और नागरिक खुद कॉल कर हमें बुलाने लगे हैं।

विधायक ने दिए थे निर्देश : नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू ने बताया कि मंदिरों से निकलने वाली निर्माल्य सामग्री के सम्मानजनक तरीके से व्यवस्थित उपयोग को लेकर विधायक उमाकांत शर्मा ने हमें निर्देशित किया था। इसके बाद नपा परिषद के सदस्यों ने विचार का निर्माल्य वाहन लेने का निर्णय लिया और दो महीने में ही इसी सार्थकता दिखाई देने लगी है। उन्होंने बताया कि अभी मंदिरों और घरों से एकत्रित इस सारी सामग्री को निर्धारित स्थान पर एकत्रित कर उन्हें अलग-अलग किया जा रहा है। हमारी योजना है कि इस सामग्री का उपयोग हम जैविक खाद अथवा अगरबत्ती बनाने में करें। इसके लिए हमने संबंधितों से चर्चा शुरू कर दी है।

51 हजार दीपों से जगमगायेगा सेठानी घाट, सीईओ ने लिया जायजा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो। देव दीपावली पर आज शाम नर्मदा नदी के ऐतिहासिक सेठानी घाट पर भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसमें जिला प्रशासन के सहयोग से दीपदान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, रंगोली निर्माण और स्थानीय कलाकारों द्वारा भगवान श्रीरामचंद्र जी की भजन संध्या का आयोजन होगा। इसकी तैयारियों और व्यवस्थाओं का जायजा शुक्रवार को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं नोडल अधिकारी हिमांशु जैन ने लिया। इस दौरान श्री जैन ने घाट के विभिन्न स्थानों का सघन निरीक्षण कर रूपरेखा तैयार की और संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपीं। सीईओ ने निर्देश दिए कि आयोजन के दौरान घाट पर सफाई व्यवस्था चाक-चौबंद रखी जाए। उन्होंने आकर्षक रंगोली निर्माण और दीपों को व्यवस्थित ढंग से जलाने के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने की कार्यवाही

गंभीर अनियमितताएं पाये जाने पर मदन महल एक्स-रे एवं सोनोग्राफी सेंटर सील, रिकार्ड जब्त

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

स्वास्थ्य विभाग द्वारा कई प्रकार की गंभीर अनियमितताएं पाये जाने पर चौकीताल लम्हेटाघाट स्थित मदन महल एक्स-रे एवं सोनोग्राफी सेंटर को रिकार्ड जब्त कर सील कर दिया गया है। मदन महल एक्स-रे एवं सोनोग्राफी सेंटर का कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देश में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की टीम ने आकस्मिक निरीक्षण किया था। कलेक्टर को इस एक्स-रे एवं सोनोग्राफी सेंटर द्वारा विभिन्न अनियमितताएं बरतने की शिकायतें प्राप्त हुई थी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय मिश्रा के अनुसार मदन महल एक्स-रे एवं सोनोग्राफी सेंटर के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान पाया गया कि यहां सोनोग्राफी कराने आये मरीजों में से किसी का भी फॉर्म-एफ नहीं भरा जा रहा था, मरीजों के पंजीयन एवं भुगतान की रसीदें भी उपलब्ध नहीं थी। यहां योग्य चिकित्सक एवं तकनीकी स्टाफ के अभाव में एक्स-रे एवं सोनोग्राफी करना पाया गया। एक्स-रे एवं सोनोग्राफी नॉन-मेडिकल स्टाफ द्वारा की जा रही थी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के अनुसार रेफरल फार्म का अभाव एवं ऑनलाईन पोर्टल पर रिपोर्ट भी इस एक्स-रे एवं सोनोग्राफी सेंटर द्वारा नहीं की जा रही थी। साथ ही इस सेंटर का संचालन आवासीय भूमि पर बिना अनुमति के किया जा रहा था। डॉ. मिश्रा ने बताया कि निरीक्षण के दौरान पाया गया कि क्लीनिक में आने वाली अधिकांश महिलाएं जबलपुर जिले से बाहर की थीं। उनमें से कई का पहला या दूसरा बच्चा लड़की था और कुछ की पूर्व में एक या दो बार गर्भपात की हिस्ट्री भी पाई गई। इन परिस्थितियों के आधार पर मदन महल एक्स-रे एवं सोनोग्राफी सेंटर पर निरीक्षण दल द्वारा भ्रूण लिंग निर्धारण से संबंधित अवैध गतिविधियां संचालित किये जाने का अनुमान भी लगाया गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि निरीक्षण में पाई गई इन गंभीर अनियमितताओं एवं संदिग्ध परिस्थितियों को देखते हुए सेंटर को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया है तथा सभी अभिलेख, रजिस्टर, रिपोर्ट एवं उपकरणों को जब्त कर सुरक्षित कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि सेंटर में गंभीर अनियमितताओं एवं संदिग्ध परिस्थितियों को देखते हुए इसके संचालक डॉ. हेमलेश चंद्र दुबे के विरूद्ध पीसीपीएनडीटी 1994 के तहत वैधानिक कार्यवाही प्रारंभ की जा रही है। इस एक्स-रे एवं सोनोग्राफी सेंटर का पंजीयन निरस्त करने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है। भूमि उपयोग परिवर्तन एवं अनाधिकृत से आवासीय भूमि का वाणिज्यिक उपयोग करने पर राजस्व विभाग को भी कार्यवाही के लिए सूचना भेजी जा रही है। मदन महल एक्स-रे एवं सोनोग्राफी सेंटर के संचालक डॉ. हेमलेश चन्द्र दुबे से स्पष्टीकरण प्राप्त कर उनके विरूद्ध अभियोजन की कार्यवाही भी की जायेगी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के अनुसार मदन महल एक्स-रे एवं सोनोग्राफी सेंटर का निरीक्षण करने वाले दल में पीसीपीएनडीटी सलाहकार समिति के रेडियोलॉजिस्ट डॉ. पुष्पराज भटेले, जिला स्वास्थ्य अधिकारी एवं पीसीपीएनडीटी प्रभारी डॉ. विनीता उप्पल एवं नोडल अधिकारी नर्सिंग होम शाखा डॉ. आदर्श विश्नोई तथा पटवारी प्रवीण सिंह शामिल थे।

तेंदूखेड़ा के अतुल खत्री बने नगर का गौरव

‘कौन बनेगा करोड़पति’ में जीते 12 लाख 50 हजार रुपये

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो। 28 अक्टूबर को नगर के होनहार युवा अतुल खत्री ने लोकप्रिय टीवी कार्यक्रम ‘कौन बनेगा करोड़पति’ में शानदार प्रदर्शन करते हुए 12 लाख 50 हजार रुपये, दो सोने के सिक्के और एक मोटरसाइकिल जीतकर पूरे नगर का नाम रोशन किया है। यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे तेंदूखेड़ा नगर के लिए गर्व का विषय बनी हुई है। विशेष बातचीत में अतुल खत्री ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, बड़े भाइयों, बहन, गुरुजनों एवं नगरवासियों को देते हुए कहा कि सभी के प्यार, आशीर्वाद और स्नेह ने उन्हें यह मुकाम हासिल करने की प्रेरणा दी। ज्ञात हो कि अतुल के पिता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में टेक्नीशियन के रूप में कार्यरत हैं, जबकि उनकी माता श्रीमती सरोज खत्री गृहिणी हैं। अतुल के दो बड़े भाई और एक बहन वर्तमान में भारतीय सशस्त्र बल में सेवाएं दे रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान अतुल को महानायक अमिताभ बच्चन से मिलने का अवसर मिला। इस अनुभव के बारे में अतुल ने बताया कि अमिताभ सर से मिलना जीवन का अविस्मरणीय क्षण था। उनकी सरलता और प्रोत्साहन भरे शब्दों ने मुझे और भी प्रेरित किया। मुझे हमेशा अपने नगरवासियों से ऐसा ही प्यार और आशीर्वाद मिलता रहे – यही मेरी सबसे बड़ी पूंजी है। नगरवासी, परिजन और मित्रजन उनके घर पहुंचकर उन्हें बधाइयां और शुभकामनाएं दे रहे हैं। पूरे तेंदूखेड़ा में अतुल की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हर्ष और गौरव का माहौल है।

दो सोने के सिक्के और मोटरसाइकिल दैनिक दोपहर मेट्रो ने की उनसे बात, बिग बी से मिलकर उन्हें कैसा लगा

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस आज: युवा बोले धर्म संस्कृति और पर्यटन से सराबोर दमोह जिले का दिल

विकास संस्कृति और एकता की अनोखी पहचान है हमारे मध्यप्रदेश में

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

1956 से अस्तित्व में आए इस राज्य ने आज अपने 75 गौरवशाली वर्ष पूरे कर लिए हैं। मप्र विकास संस्कृति और एकता की अनोखी पहचान है मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेशभर में हर्ष और उत्साह का माहौल रहा। युवाओं ने इस मौके पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश वास्तव में भारत का दिल है, जो अपनी सांस्कृतिक, धार्मिक और प्राकृतिक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध है।

दमोह जिले का बांदकपुर स्थित जागेश्वर धाम श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र है, जहां भगवान भोलेनाथ, माता पार्वती और अन्य देवी-देवताओं के दर्शन होते हैं। मंदिर प्राकृतिक सौंदर्य से घिरा हुआ है, जो इसे और भी आकर्षक बनाता है जिले की पहचान को और मजबूत कर रहा है। नया वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व, जहां बाघों सहित कई वन्यजीवों का निवास है। तेंदूखेड़ा तहसील का कोडल शिव मंदिर, नोहटा का प्राचीन शिव मंदिर, कुंडलपुर का प्रसिद्ध बड़े बाबा जैन मंदिर, बांदकपुर की गुफाएं, सिंगौरगढ़ का किला, सिग्रामपुर जलप्रपात और नौरादेही अभयारण्य इस क्षेत्र की ऐतिहासिक और प्राकृतिक धरोहर हैं।

‘भूमिका यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश हमारी पहचान है यहां की संस्कृति, बोली और परंपरा हमें एक सूत्र में बांधती है। स्थापना दिवस हमें याद दिलाता है कि हमने किस तरह विकास की नई ऊंचाइयां छुई हैं। शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास में राज्य निरंतर आगे बढ़ रहा है।

–भूमिका यादव, तेंदूखेड़ा

सोनू पटैल ने बताया कि तेंदूखेड़ा तहसील का कोडल शिव मंदिर काफी प्राचीन और प्रसिद्ध है। यहां देश भर से लोग पहुंचते हैं। इसी तरह जिले में अनेक तथ्य प्राचीन परंपरा से जुड़े मिलते हैं।

–सोनू पटेल, तेंदूखेड़ा

अनुप्रिया रजक ने कहा कि एमपी टाइगर स्टेट कहलाता है वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व, जहां बाघों सहित कई वन्यजीवों का निवास है, वहीं नौरादेही अभयारण्य में बाघों की संख्या अच्छी है

–अनुप्रिया रजक, तेन्दूखेड़ा

विदित तोमर ने बताया कि प्रदेश विविधता में एकता का उदाहरण है। युवाओं के लिए आज कई अवसर हैं। स्टार्टअप, शिक्षा और खेल के क्षेत्र में। स्थापना दिवस हमें प्रेरित करता है कि हम मिलकर अपने प्रदेश को और मजबूत बनाएं। गर्व है कि मैं मध्यप्रदेश का नागरिक हूं। हम मिलकर यही कहते हैं कि हमारा मप्र नित नई ऊंचाइयों को छुए

–विदित तोमर, तेंदूखेड़ा

शिवांगी पटेल ने बताया कि दमोह के सिंगौरगढ़ किले की शौर्य से जुड़ी कथाएं प्रेरणा देती हैं। सिंग्रामपुर जलप्रताप और नजारा दर्शनीय स्थल है। जहां देशभर से लोग पहुंचते है

–शिवानी पटेल, तेंदूखेड़ा

राहुल ठाकुर ने कहा कि जिले और तेंदूखेड़ा क्षेत्र में प्राकृतिक, पर्यटन और धार्मिक क्षेत्र काफी पुराने हैं। जिले के मध्य से निकली कर्क रेखा भी जिले को अलग पहचान देती है।

–राहुल ठाकुर, तेंदूखेड़ा

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत, एक गंभीर को जबलपुर रेफर किया

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो। क्षेत्र में सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। एक बार फिर रफ्तार का कहर देखने को मिला है जहां पर बाइक सवार एक युवक की मौत हो जाने सहित एक गंभीर रूप से घायल हैं। जिसे जबलपुर रेफर किया गया है। बताया जाता है कि घटना शाम 6 बजे तेजगढ़ थाना क्षेत्र के तेंदूखेड़ा दमोह मार्ग पर स्थित तेजगढ़ ग्राम में एसबीआई बैंक के सामने बाइक सवार दो युवक ट्रक की चपेट में आ गए। जिसमें एक युवक की मौत हो गई, एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही तेजगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की। घटना के संबंध मिली जानकारी अनुसार पवन पिता जीवन सिंह लोधी लोधी उम्र 45 वर्ष निवासी करौंदी पंडरिया थाना तेजगढ़ जितेन्द्र पिता हीरा सिंह लोधी उम्र 30 वर्ष निवासी करौंदी पंडरिया थाना तेजगढ़ है। जिसमें पवन पिता जीवन सिंह लोधी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई है और जितेन्द्र सिंह लोधी को गंभीर हालत में डायल 112 की मदद से तेन्दूखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर रेफर किया गया है। घायल जितेन्द्र ने बताया वह पाटन से तेंदूखेड़ा होते हुए अपने घर करौंदी पंडरिया जा रहा था लेकिन तेजगढ़ पहुंचते ही ट्रक क्रमांक MP 20 ZC 7211 से क्रासिंग के दौरान चपेट में आ गए। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि ट्रक तेंदूखेड़ा की और से दमोह तरफ जा रहा था। हादसे में जितेन्द्र सिंह के दाहिने पैर पर ट्रक का पहिया चढ़ने से पैर छतिग्रस्त हो गया है। मृतक युवक पवन सिंह का शव आधा घंटे तक सड़क पर पड़ा रहा। परिजनों के पहुंचने के बाद शव को उठाकर तेंदूखेड़ा स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां से शनिवार की सुबह शव का पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम होगा और शव परिजनों के सुपुर्द कर आगे की कार्यवाही की जाएगी। ट्रक को जब्त करते हुए आगे की जांच पड़ताल की जा रही है।

प्रशासन पर लगाए लापरवाही के आरोप

वहीं घटना के बाद घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई और लोगों ने शासन प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा है दमोह तेंदूखेड़ा मार्ग बनते समय से ही स्पीड ब्रेकर बनाने की लगाते मांग की जा रही है, लेकिन आज तक स्पीड ब्रेकर नहीं बनाए जा रहे हैं रेस्ट हाउस से लेकर तेजगढ़ बस स्टैंड तक सड़क पर कहीं भी गति अवरोधक (स्पीड ब्रेकर) नहीं हैं।

स्कूल बस का पहिया अचानक निकल कर गिरा, ड्राइवर की सूझबूझ से बड़ा हादसा टला

जबलपुर, दोपहर मेट्रो। जबलपुर के लिटिल किंगडम स्कूल की बस का पिछला पहिया अचानक निकलकर करीब 100 मीटर दूर जा गिरा। बस में उस समय 20 से अधिक बच्चे और शिक्षक सवार थे।

गनीमत रही कि चालक की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया,लेकिन इस घटना ने प्रशासन और स्कूल प्रबंधन की लापरवाही को उजागर कर दिया। इस मामले में एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रवक्ता विराज यादव ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जबलपुर कलेक्टर और क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को लिखित शिकायत सौंपी है।

उन्होंने दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि बच्चों की जान के साथ ऐसा खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा..विराज यादव ने भोपाल की एक पुरानी घटना का भी हवाला दिया,जहाँ रूरू ग्लोबल यूनिवर्सिटी की बस का पहिया चलते समय निकल गया था और कई छात्र घायल हुए थे। उन्होंने प्रशासन की उदासीनता को समान हादसों के लिए जिम्मेदार ठहराया।

मांग है कि जबलपुर जिले की सभी स्कूल और कॉलेज बसों की तत्काल तकनीकी जांच अनफिट बसों के परमिट तत्काल निरस्त किए जाएं दोषी स्कूल प्रशासन,बस संचालक और संबंधित अधिकारियों पर कानूनी कार्रवाई बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक निगरानी अभियान चलाया जाए यह हादसा एक चेतावनी है कि बच्चों की सुरक्षा को लेकर कोई भी लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। देखना होगा कि प्रशासन इस शिकायत पर क्या कदम उठाता है।

जबलपुर के एक स्कूल का तुगलकी फरमान

शुक्रवार रहेगा अवकाश और रविवार लगेगा स्कूल

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

जबलपुर के अंजुमन इस्लामिया इंग्लिश मीडियम स्कूल ने एक नया फरमान जारी किया है, जिसमें शुक्रवार को साप्ताहिक अवकाश और रविवार को स्कूल लगाने का आदेश दिया गया है। इस फैसले के पीछे का कारण जुमे की नमाज को बताया जा रहा है, जिससे छात्रों की उपस्थिति कम रहती है। स्कूल प्रशासन का दावा है कि यह बदलाव छात्रों की पढ़ाई को ध्यान में रखते हुए किया गया है, लेकिन अभिभावकों और राजनीतिक संगठनों ने इसका विरोध किया है। उनका कहना है कि यह फैसला छात्रों और अभिभावकों पर जबरन थोपा जा रहा है और यह राज्य शिक्षा विभाग के नियमों के खिलाफ है। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा है कि वे इस मामले की जांच करेंगे और स्कूल प्रबंधन को नोटिस जारी करेंगे।

विरोध के कारण

छात्रों और अभिभावकों की दिनचर्या प्रभावित होगी।

राज्य शिक्षा विभाग के नियमों के खिलाफ है।

जुमे की नमाज के कारण पहले से ही छात्रों की उपस्थिति कम रहती है, इसलिए यह बदलाव जरूरी नहीं है।

स्कूल प्रशासन का पक्ष

छात्रों की पढ़ाई को ध्यान में रखते हुए यह बदलाव किया गया है।

अन्य स्कूलों में भी शुक्रवार को अवकाश होता है।

छात्रों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए यह फैसला लिया गया है।

मेट्रो एंकर | सीएमएचओ डॉ. तिमोरी दे रहीं बैक्टर जनित रोगों कीरोकथाम एवं उनसे बचाव के संदेश

फालेरिया और मलेरिया की जिले में दबे पांव दस्तक

सागर, दोपहर मेट्रो

जिले में फालेरिया,डेंगू और मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियों ने दबे पांव दस्तक दे दी है। वरना क्या वज़ह है कि स्वास्थ्य अधिकारियों को उक्त बीमारियों के प्रति जागरूक रहने का संदेश प्रसारित करने की जरूरत पड़ रही है। जिले के कुछेक विकासखण्डों के गावों में सर्वे में फायलेरिया,मलेरिया और डेंगू के मामले दर्ज किए गए हैं। यह तो सरकारी आकड़े हैं, प्राइवेट अस्पतालों में मरीजों की कतारें लग रही हैं। इनकी जांच रिपोर्ट की कोई जानकारी विभाग के पास नहीं है। बहरहाल सरकारी आंकड़ों के अनुसार हाल ही में किए गए सर्वे में जिले में फालेरिया के 29, डेंगू के 51 केस मिले हैं। मच्छरों से फैलने वाली इन बीमारियों की रोकथाम स्वास्थ्य विभाग ने 300 टीम गठित की है जो घर घर जाकर सर्वे कर रहीं हैं। बताया जा रहा है कि विभाग ने अब तक 1700 गांव/वार्ड में करीब दो लाख घरों का सर्वे किया है। नाइट ब्लड सर्वे में 4 हजार रक्त पट्टिका बनाकर सैम्पल लिए गए हैं।

सीएमएचओ डॉ. तिमोरी का संदेश

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ममता तिमोरी ने आम जन समुदाय को जागरूक करने के लिए संदेश दिया है कि, विभागीय रिपोर्ट के आधार पर बताया की मच्छरों के काटने से फाईलेरिया, डेंगू, मलेरिया रोग फैलता है, सागर जिले में फाईलेरिया नियंत्रण के लिए वर्तमान में नाईटब्लड सर्वे शहर एवं5 ग्रामीण के विकासखंड बंडा, शाहगढ, सागर शहरी, रहली, मालचौन, खुरई, शाहपुर, मकरोनिया, देवरी, के लगभग 1700 ग्राम, वार्ड में किया गया, जिसमें घरों की संख्या 192005 है एवं कंटेनरों की संख्या 1024015 जांच की गयी, अभियान के अंतर्गत सागर जिले के चिन्हित ग्रामों में लगभग 4000 रक्त पट्टि बनायी गयी, नाईट ब्लड सर्वे का मुख्य उद्देश्य फाईलेरया के संक्रमण की जांच करना है और जिले को फाईलेरिया मुक्त करना है, जिला मलेरिया अधिकारी द्वारा बताया गया कि, फाईलेरया के लगभग 29 प्रकरण दर्ज हुये हैं, फाईलेरिया संक्रमण पर नियंत्रण रहा, इसी प्रकार जिले में डेंगू बीमारी के अक्टूवर माह तक 51 केश दर्ज हुये है स्वास्थ्य विभाग ने लगभग 300 से अधिक टीमें गठित की घर-घर जाकर लार्वा सर्वे विनष्टीकरण की कार्यवाही की समय-समय पर कैंप आयोजित किये लोगों को उपचार मुहैया कराया गया है।

आमजन से अपील

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने आम-जन से अपील है कि, अपने घरों के आस-पास जल जमा हो जाता है, टूटे, फूटे हुये डब्बे पुराने टायर, कूलर, पानी की टंकियों में भरा हुआ पानी मच्छरों का लार्वा बनाता है, अपने घरों के आस-पास पानी जमा न होने दें, जो बाद में मलेरिया, डेंगू, जैसी बीमारी फैलाते हैं, डेंगू रोग एवं अन्य बीमारी महामारी हो सकती हैं, तुरन्त चिकित्सक से परामर्श अवश्य लें।

बदलते भारत की सशक्त तस्वीर महिला क्रिकेट टीम की उड़ान

महिला वर्ल्ड कप 2025 सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के 338 रनों का लक्ष्य चेज कर 5 विकेट से जीत हासिल की है और फाइनल में प्रवेश किया। अब तक यह कारनामा कभी नहीं हुआ था द्य ये हमारी बेटियों की प्रतिभा एवं मेहनत का प्रतिफल है द्य कुछ हासिल करने में वक़्त लगता है द्य अब जब हम आईसीसी मुख्यालय देखने जाएंगे तो आईसीसी ने अपने मुख्यालय के मुख्य दरवाज़े पर एक तस्वीर लगा रखी है, उस तस्वीर में दिख रही है गाँव की एक छोटी सी लड़की हाथ में बैट – गेंद लेकर क्रिकेट खेल रही है, ये तस्वीर आईसीसी के विज़न को दर्शाती है द्य आईसीसी चाहता है कि क्रिकेट दुनिया की आख़िरी लड़की तक पहुंचें और उसी दिन क्रिकेट की प्रमुख सफ़लता होगी द्य

आईसीसी चाहता तो सर डॉन ब्रैडमैन, सचिन तेंदुलकर, शेन वार्न की तस्वीरें लगा सकता था, परंतु आईसीसी चाहता है कि दुनिया में ये संदेश जाए कि क्रिकेट केवल पुरुषों का खेल नहीं है द्य इस जेंटलमैन खेल का लिंग से कोई लेना देना नहीं है, बल्कि शारीरिक फिटनेस एवं इच्छाशक्ति मायने रखती है द्य हमारे देश में जहां आम तौर पर बेटियाँ क्रिकेट नही खेलतीं चूंकि हमारे यहां लोगों की धारणाएं हैं कि ये खेल तो लड़कों का है, हमारे देश के ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियां न तो क्रिकेट खेलती हैं, और न देखती हैं, यही कारण है कि पूरी तरह से ग्रामीण क्षेत्रों में क्रिकेट की समझ विकसित नहीं हुई है द्य इस बार बेटियों की सफ़लता भारत की ग्रामीण लड़कियों के लिए भी दरवाजे खोल देगी द्य हमारे देश में हर क्षेत्र में बेटियों ने अब तक परचम लहराया है, परंतु क्रिकेट के क्षेत्र में हमारे देश की बेटियाँ दशकों से संघर्ष कर रहीं हैं, हालांकि इस बार फाइनल में पहुँचने के बाद उम्मीदें बढ़ गईं हैं द्य भारतीय महिला क्रिकेट टीम इतिहास रचने के करीब है, यह बदलते हुए भारत की सशक्त तस्वीर है द्य पहले भारत में महिला क्रिकेटरों में केवल अंजुम चोपड़ा ही फेमस थीं, परंतु धीरे-धीरे ही सही आज पूरी टीम की लड़कियां दुनिया भर में अपनी पहिचान रखती हैं, जिनका दर्जा किसी सुपरस्टार से ज़्यादा है द्य महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर, ओपनर स्मृति मन्धना, शेफाली, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष हरलीन देओल सहित स्टार महिला क्रिकेट पूरी दुनिया में भारत की क्रिकेट का प्रतिनिधित्व करती हैं जिनमे मिताली राज, झूलन गोस्वामी जैसी पूर्व स्टार क्रिकेटर्स भी शामिल हैं।

दिलीप कुमार पाठक
लेखक पत्रकार हैं

महिला वनडे विश्व कप 2025 के दूसरे सेमीफाइनल में गुरुवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए फोबे लिचफील्ड के 119 रनों की मदद से 338 रन बनाए। जवाब में भारत ने जेमिमाह रोड्रिगेज की नाबाद 127 और कप्तान हरमनप्रीत कौर की 89 रनों की पारी के दम पर 48.3 ओवर में 341/5 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। यह महिला वनडे क्रिकेट इतिहास का सबसे बड़ा सफल लक्ष्य पीछा है, साथ ही वनडे विश्व कप (पुरुष-महिला) के नॉकआउट मुकाबले में पहली बार 300 से अधिक रनों का चेज हुआ है। इस मैच की शुरुआत भारत के लिए चुनौतीपूर्ण रही। पावरप्ले में शेफाली वर्मा (10) और स्मृति मंधाना (24) जल्दी आउट हो गईं। लेकिन जेमिमाह और हरमनप्रीत ने तीसरे विकेट के लिए 167 रनों की साझेदारी कर मैच को संभाला। जेमिमाह ने 134 गेंदों में 17 चौके जड़ते हुए नाबाद 127 रन बनाए, जबकि हरमनप्रीत ने 88 गेंदों पर 89 रन ठोके। बाद में दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष और अमनजोत कौर ने उपयोगी योगदान दिया। अंतिम ओवरों में भारत ने दबाव में भी संयम बनाए रखा और 7 गेंद शेष रहते जीत दर्ज की। यह जीत ऑस्ट्रेलिया के 15 मैचों के विश्व कप अजेय क्रम को भी समाप्त करने वाली साबित हुई। इस जीत ने कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड स्थापित किए हैं। महिला वनडे में सबसे बड़ा सफल लक्ष्य चेज अब भारत के नाम है और ऑस्ट्रेलिया के 331 रनों के पुराने रिकॉर्ड को भारतीय खिलाड़ियों ने पीछे छोड़ दिया है। वनडे विश्व कप के नॉकआउट चरण में यह पहला मौका है जब 300 से अधिक रनों का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया गया हो। इससे पहले पुरुष वर्ग में 2015 विश्व कप सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 298 रनों का लक्ष्य चेज किया था। यह जीत भारतीय महिला क्रिकेट के लिए मील का पत्थर है। 2005 और 2017 के फाइनल हार के बाद तीसरी बार फाइनल में पहुंची टीम अब खिताब की प्रबल दावेदार है। 3 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मुकाबला होगा। स्टेडियम में गूंजे भारत माता की जय के नारों ने इस ऐतिहासिक जीत को और भी यादगार बना दिया। यह चेज अब रिकॉर्ड बुक में दर्ज है और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा।

एक एतिहासिक विजय क्रिकेट को बदल कर रख देती है, जिस तरह से भारतीय क्रिकेट 1983 की विजय के बाद गाँव – गाँव पहुँच गया था, ठीक इस बार भी बेटियों की विजय बने बनाए प्रतिमानों को तोड़ देगी कि क्रिकेट लड़कों का खेल है और यह यह बदलते हुए भारत की सशक्त तस्वीर होगी, पूरा भारत अपनी बेटियों के विजय की राह देख रहा है ।

विश्व कप के फाइनल में कभी नहीं भिड़े भारत-द.अफ्रीका,

खिताब के लिए कल होगी आखिरी जंग, इस बार महिला क्रिकेट को मिलेगा नया चैंपियन

नई दिल्ली , एजेंसी

महिला वनडे विश्व कप अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है और खिताब के लिए कौन सी दो टीमें आमने-सामने होंगी ये तय हो गया है। रविवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमों के बीच टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इन दोनों ही टीमों ने कभी विश्व कप का खिताब नहीं जीता है, इसलिए ये तय है कि इस बार महिला क्रिकेट को नया चैंपियन मिलेगा।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के लिए फाइनल में पहुंचना आसान नहीं था क्योंकि दोनों ही टीमों के सामने सेमीफाइनल में कड़ी चुनौती थी। दक्षिण अफ्रीका का सामना जहां सेमीफाइनल में इंग्लैंड से था तो वहीं भारत के सामने सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम थी। दिलचस्प बात यह है कि जैसे इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को ग्रुप चरण में हराया था, वैसे ही ग्रुप स्टेज में ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत पर भारी पड़ी थी। इसके बावजूद भारत और दक्षिण अफ्रीका के इरादे नहीं डगमाए और इन दोनों ने सेमीफाइनल की बाधा को पार किया और खिताबी मुकाबले में प्रवेश करने में सफल रहीं। अब दोनों ही टीमें अपने पहले विश्व कप खिताब से एक कदम की दूरी पर हैं।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के महिला विश्व कप 2025 में सफर पर नजर डालें तो दोनों का प्रदर्शन ग्रुप चरण में अच्छा रहा था। दक्षिण अफ्रीका की टीम सात मैचों में पांच जीत और दो हार के साथ 10 अंक लेकर तीसरे स्थान पर थी, जबकि मेजबान भारतीय टीम सात मैचों में तीन जीत, तीन हार और एक बेनतीजा मैच के साथ सात अंक लेकर चौथे स्थान पर रहते ही सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रही थी।

हार की हैट्रिक लगाकर भारत ने वापसी

भारत ने महिला विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत सह मेजबान श्रीलंका को बारिश से बाधित मुकाबले में 59 रनों से हराकर की। इसके बाद उसने अगले मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 88 रनों से हराया। लगातार दो जीत के बाद भारतीय अभियान को उस वक्त झटका लगा जब उसने हार की हैट्रिक लगाई और उस वक्त लगा कि कहीं भारत का सफर ग्रुप चरण में ही ना थम जाए। भारत को पहले इसी दक्षिण अफ्रीका टीम के खिलाफ तीन विकेट से हार मिली जिसके खिलाफ उसे रविवार को फाइनल खेलना है। फिर टीम को ऑस्ट्रेलिया ने तीन विकेट से और इंग्लैंड ने चार रन हराया। भारत के लिए अब न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच जीतना बहुत अहम था। दोनों ही टीमों के लिए यह मैच वर्चुअल नॉकआउट की तरह था, लेकिन भारतीय टीम ने स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल की शानदार पारियों से न्यूजीलैंड के सामने विशाल लक्ष्य रखा और बारिश से बाधित मुकाबले में डीएलएस के जरिये 53 रनों से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

खराब शुरुआत से उबरकर फाइनल में पहुंची दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीका टीम के विश्व कप में अभियान की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही थी। उसे इंग्लैंड के खिलाफ 10 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि, इसके बाद टीम ने मजबूत वापसी की और लगातार पांच मुकाबले जीते। दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को छह विकेट से, भारत को तीन विकेट से, बांग्लादेश को तीन विकेट से, श्रीलंका को डीएलएस के जरिये 10 विकेट से और पाकिस्तान को 150 रनों से शिकस्त दी। लेकिन गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसे ग्रुप चरण के अंतिम मैच में सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा। टीम का मनोबल फिर भी नहीं डगमगाया और उन्होंने सेमीफाइनल में मजबूत वापसी करते हुए इंग्लैंड को हराया।

विश्व कप में बराबरी पर हैं दोनों टीमें

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच महिला विश्व कप के फाइनल में कभी आमना-सामना नहीं हुआ है। लेकिन दोनों ही टीमें छह बार महिला विश्व कप में एक दूसरे के खिलाफ खेली हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका इस टूर्नामेंट में बराबरी पर हैं क्योंकि दोनों ही टीमों ने तीन-तीन बार एक दूसरे के खिलाफ जीत दर्ज की है। सबसे पहले दोनों टीमों का सामना 1997 में हुआ जहां भारत ने दक्षिण अफ्रीका को पांच विकेट से हराया।

किरण जॉर्ज ने किया उलटफेर

15वें नंबर के खिलाड़ी पोपोव को हराया, लक्ष्य-रक्षित क्वाफा में

नई दिल्ली। भारत के किरण जॉर्ज ने शानदार प्रदर्शन किया और उलटफेर करते हुए दुनिया के 15वें नंबर के खिलाड़ी फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंट टूर्नामेंट में हराया। किरण ने इसके साथ ही पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी किरण ने 69 मिनट चले मुकाबले में आठवें वरीय पोपोव को 18-21, 21-18, 21-19 से हराया।

प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी में ट्रेनिंग करने वाले 25 साल के किरण जनवरी में इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। ओडिशा ओपन 2022 और इंडोनेशिया मास्टर्स 2023 के रूप में दो सुपर 100 टूर्नामेंट जीतने वाले किरण अगले दौर में दूसरे वरीय इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी और चीनी ताइपे के ची यू जेन के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे।

इससे पहले लक्ष्य सेन और रक्षिता रमेश ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करते हुए क्रमशः पुरुष और महिला एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने हमवतन एस सुब्रमण्यन को 21-14, 21-11 से हराया, जबकि रक्षिता ने एक अन्य ऑल इंडियन मुकाबले में श्रीयांशी वलिशेट्टी को 58 मिनट में 19-21, 21-8, 21-13 से शिकस्त दी। लक्ष्य अगले दौर में फ्रांस के चौथे वरीय एलेक्स लेनियर से भिड़ेंगे जबकि रक्षिता को डेनमार्क की छठी वरीय लाइन क्रिस्टोफरसन का सामना करना है।

युवा एशियाई खेलों में भारत का प्रभावी प्रदर्शन, मुक्केबाजी में जीते तीन स्वर्ण

बहरीन। भारत ने एशियाई युवा खेलों में अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखा है। भारत ने इस टूर्नामेंट में मुक्केबाजी में तीन स्वर्ण और एक रजत पदक जीतने के अलावा बीच कुश्ती में भी तीन स्वर्ण और दो रजत पदक जीते। भारतीय मुक्केबाजों खुशी चंद, अहाना शर्मा और चंद्रिका भोरेशी पुजारी ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि लैंचेनबा सिंह मोइबुंगखोंगबाम को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

इस तरह भारत के पदकों की संख्या 41 हो गई जिसमें 12 स्वर्ण, 15 रजत और 14 कांस्य पदक शामिल हैं। सुबह के स्वर्णिम सत्र में खुशी (46 किग्रा) ने चीन की लुओ जिनशियू के खिलाफ 4-1 से शानदार जीत के साथ भारत के लिए मुक्केबाजी में दिन का पहला स्वर्ण जीता। अहाना (50 किग्रा) ने इसके बाद एकतरफा जीत हासिल की जब पहले राउंड में ही दक्षिण कोरिया की मा जोंग हयांग के खिलाफ रैफरी को मुकाबला रोकने (आरएससी) के लिए मजबूर होना पड़ा। इसके बाद चंद्रिका (54 किग्रा) ने उज्बकिस्तान की मुहम्मदोवा कुमरिनिसो को 5-0 से हराकर भारत की स्वर्ण पदक की हैट्रिक पूरी की।

बीच कुश्ती में भी जीते पदक

बीच कुश्ती में सानी सुभाष फुलमाली और अंजलि ने क्रमशः लड़कों और लड़कियों के 60 किग्रा और 55 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीते, जबकि अर्जुन रुहिल भी लड़कों के 90 किग्रा वर्ग में शीर्ष पर रहे। सुजॉय नागनाथ तनपुरे (70 किग्रा) और रविंदर (80 किग्रा) को अपने-अपने फाइनल मुकाबलों में हारने के बाद रजत पदक मिला। सानी सुभाष ने फाइनल में ईरान के अमीराली डोमिरकोलाई को 2-0 से हराया जबकि अंजलि ने वियतनाम की बुई एमगोक थाओ थॉम को 2-1 से शिकस्त दी। अर्जुन ने 90 किग्रा वर्ग में ईरान के मोहम्मदमहदी फोतोउही को हराया।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

मैंने अभी सब कुछ हासिल नहीं किया — लोकप्रियता को लेकर सोनम बाजवा ने जाहिर की अपनी राय

मुंबई। पंजाबी और हिंदी दोनों फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकी अभिनेत्री सोनम बाजवा अपने करियर को लेकर हमेशा जमीन से जुड़ी नजर आती हैं। भले ही सोनम आज अपनी लोकप्रियता के चरम पर हों, लेकिन वह खुद इसे पूर्ण सफलता नहीं मानती। वह हमेशा अपनी उपलब्धियों के लिए ईश्वर का धन्यवाद करती हैं। सोनम बाजवा ने अपनी फिल्मी यात्रा और अपने अनुभवों के बारे में आईएएनएस से खुलकर बातचीत की। अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें लगता है कि उन्होंने अभी सब कुछ हासिल नहीं किया है। उनके लिए हर दिन मेहनत करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अभी मुझे बहुत मेहनत करनी होगी। अगर मैं पंजाब की बात करूं, तो मैंने वहां बहुत सारी फिल्में की हैं। लेकिन हर फिल्म से पहले, मैं उतनी ही उत्साहित होती हूं जितनी साथ ही साथ नर्वस भी होती हूँ। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अभी मुझे बहुत मेहनत करनी होगी। अगर मैं पंजाबी इंडस्ट्री की बात करूं, तो मैंने बहुत सारी फिल्मों में काम किया है, लेकिन हर नई फिल्म से पहले मेरा उतना ही उत्साह होता है जितना मैं नर्वस महसूस करती हूं। उत्साह और नर्वसनेस दोनों ही मेरे काम का हिस्सा हैं और यह मुझे अपने काम को और बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करता है। सोनम ने बताया कि वह हमेशा सोचती रहती हैं कि कैसे वह अपने काम को और अच्छा बना सकती हैं, कैसे किसी फिल्म को और सफल बना सकती हैं। उन्होंने कहा, मेरे लिए हर फिल्म एक नई चुनौती होती है और इसे सफल बनाने की कोशिश मेरे काम का अभिन्न हिस्सा है। केवल लोकप्रियता या प्रशंसा से सफलता का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। असली सफलता तब है जब मैं खुद अपने काम से संतुष्ट हूं और लगातार खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करती रहूं। सोनम बाजवा ने आगे कहा, मुझे नहीं पता कि लोग मुझे कैसे देखते हैं, लेकिन मैं अपने काम में काफी आत्मविश्वासी हूं। फिर भी, हमेशा लगता है कि मैं और बेहतर कर सकती थी। हर नई भूमिका मेरे लिए एक चुनौती होती है और मैं इसे पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ निभाती हूं।

एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने बताया सफलता का मंत्र, छोटे हो या बड़े रोल, लगातार करते रहें काम

फिल्म इंडस्ट्री हमेशा बदलती रहती है। पहले कलाकारों के लिए बड़ी फिल्म से शुरुआत करना और भव्य लॉन्चिंग जरूरी माना जाता था, लेकिन अब समय बदल गया है। अभिनेत्री श्रद्धा दास का मानना है कि आज के दौर में कलाकारों को अपने टैलेंट, लगातार मेहनत और खुद से बनाए गए अवसरों पर ध्यान देना चाहिए। यही रास्ता है जो किसी भी कलाकार को इंडस्ट्री में टिकने और नाम कमाने में मदद करता है।

श्रद्धा ने कहा कि सफलता पाने का कोई छोटा रास्ता नहीं होता। उन्होंने कहा, मैंने खुद बड़े और छोटे रोल, गाने, दूसरे प्रमुख रोल, सब कुछ करके इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई है। किसी बड़ी फिल्म के भव्य लॉन्च का इंतजार करना अब पुराने जमाने की सोच है। अगर कोई बाहर से आया है तो उसे लगातार काम करते रहना चाहिए, अच्छे प्रोजेक्ट्स को स्वीकार करना चाहिए, लोगों की नजर में बने रहना चाहिए और अपने काम में सुधार करते रहना चाहिए। यही तरीका है जिससे हर कलाकार अपनी मंजिल तक पहुंच सकता है।

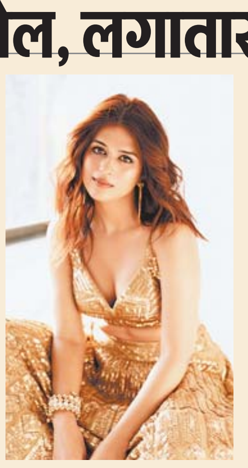

अपने प्रोजेक्ट्स चुनते समय वह किन चीजों को ध्यान में रखती है, इस सवाल का जवाब देते हुए श्रद्धा ने कहा, मेरे लिए सबसे पहले डायरेक्टर का अनुभव और क्षमता मायने रखती है। इसके बाद मैं प्रोडक्शन हाउस, साथ काम करने वाले अभिनेता और स्क्रिप्ट पर भी ध्यान देती हूं। इसके अलावा मैं खुद से सवाल करती हूं कि स्क्रिप्ट में मेरी भूमिका कितनी मजबूत है और कहानी में कितना योगदान है। यह हमेशा से मेरी प्राथमिकता रही है कि मेरा किरदार कहानी में एक फर्क लाए और मैं यह भी देखती हूं कि प्रोजेक्ट की विजुअल प्रस्तुति कैसी है।

मेट्रो बाजार

सेबी ने बैंक निफ्टी में बढ़ाई शेयरों की संख्या, बड़े स्टॉक्स वेटेज को सीमित किया

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी बैंक जैसे नॉन-बेंचमार्क इंडेक्स में शेयरों की संख्या को बढ़ा दिया है। साथ ही, बड़े स्टॉक्स के वेटेज को सीमित कर दिया है। बाजार नियामक ने कहा कि नए नियमों से एक इंडेक्स में कुछ शेयरों के अधिक वेटेज की समस्या समाप्त हो जाएगी और व्यापक और संतुलित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होगा। नए नियमों के तहत अब एक इंडेक्स में 14 शेयर होंगे, जबकि पहले इनकी संख्या 12 थी। एक शेयर का योगदान 20 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकता है, जो कि पहले 33 प्रतिशत था। इसके अलावा, अब किसी इंडेक्स में तीन बड़े शेयरों का वेटेज या योगदान 45 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकता है, जो कि पहले 62 प्रतिशत था। सेबी के नए नियमों का असर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के बैंकएक्स और एनएसई के फिननिफ्टी इंडेक्स पर भी हो सकता है और आने वाले समय में इन इंडेक्स में एडजस्टमेंट देखने को मिल सकता है। नए नियमों के बाद, बैंक निफ्टी में पहला एडजस्टमेंट दिसंबर 2025 को देखने को मिल सकता है। इसके बाद, तीन अतिरिक्त रीबैलेंसिंग देखने को मिल सकती है। सेबी के मुताबिक, नॉन-बेंचमार्क इंडेक्स पर डेरिवेटिव्स के नए नियमों से निवेशकों और फंड का जोखिम कम होगा।

फेस्टिव सीजन में यूपीआई के जरिए खर्च बढ़कर 17.8 लाख करोड़ रुपए हुआ

नई दिल्ली । इस वर्ष दिवाली से दशहरा तक के फेस्टिव सीजन में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए खर्च बढ़कर 17.8 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो कि बीते वर्ष की समान अवधि के 15.1 लाख करोड़ रुपए से 17 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि को दर्शाता है। यह जानकारी शुक्रवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट में कहा गया है कि सितंबर में यूपीआई को लेकर में वैल्यू के मामले में मासिक आधार पर 2.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

वहीं, नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के आंकड़े बताते हैं कि सितंबर में यूपीआई ट्रांजैक्शन की संख्या सालाना आधार पर 31 प्रतिशत बढ़ कर 19.63 अरब हो गए थे। वहीं, ट्रांजैक्शन अमाउंट सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़ कर 24.90 लाख करोड़ रुपए दर्ज किया गया था। दशहरा से दिवाली तक के पेमेंट डेटा से मिली जानकारी के अनुसार, यूपीआई, डेबिट और क्रेडिट कार्ड से किए गए कुल पेमेंट की वैल्यू पिछले वर्ष के 16.4 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर लगभग 18.8 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई।रिपोर्ट में कहा गया है कि जीएसटी रेट कट और फेस्टिव सीजन से उपभोक्ताओं के खर्च को बढ़ने की उम्मीद की जा रही है, जिसकी वजह से डिजिटल रिटेल पेमेंट में यह बढ़त देखने को मिली। यह उपभोग में रिकवरी का संकेत देता है। बैंक का कहना है कि सरकार को उम्मीद है कि जीएसटी रेट कट की वजह से उपभोक्ताओं के खर्च में लगभग 20 लाख करोड़ रुपए की बढ़त दर्ज की जा सकती है। बैंक के अनुसार, त्योहार के महीने में डेबिट कार्ड के जरिए वैल्यू टर्म में पेमेंट 65,395 रुपए दर्ज किया गया, जो कि बीते वर्ष की समान अवधि के लिए 27,566 करोड़ रुपए दर्ज किया गया था।

बिहार के मुख्यमंत्री ने जारी किया वीडियो मैसेज

हमने बिहारियों को सम्मान दिलवाया

पटना, एजेंसी

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज एक वीडियो मैसेज जारी कर बिहार के लोगों से चुनाव में जिताने की अपील की। जदयू के सोशल मीडिया से शेयर वीडियो में सीएम ने कहा, 'हमें बहुत खराब हालत में बिहार मिला था। कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं थी। हमने प्रदेश के विकास के लिए दिन-रात मेहनत की।' अपने परिवार के लिए कुछ नहीं किया। सत्ता में आए तो पहले कानून-व्यवस्था में सुधार किया। फिर समाज के हर वर्ग के लिए काम किया है। विकसित बिहार के लिए हमें एक और मौका दें और एनडीए की सरकार बनाएं।'

प्रधानमंत्री का रोड शो कल

इधर पटना में कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रोड शो है। 2.8 किमी लंबा रोड शो कदमकुआं के दिनकर चौक से शुरू होगा, जो पटना के प्रमुख इलाकों से होते हुए आगे बढ़ेगा और गांधी मैदान के उद्योग भवन तक खत्म होगा। रोड शो शाम 5 बजे से शुरू होने की संभावना है। पूरे रास्ते में 10 स्वागत पॉइंट बनाए जा रहे हैं, जहां प्रधानमंत्री का स्वागत फूलों, ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ किया जाएगा।

आचार संहिता लागू, बंदूक लेकर घूम रहे लोग : तेजस्वी

बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान मोकामा में राष्ट्रीय जनता दल के पूर्व नेता और हाल ही में जन सुराज के समर्थक बने दुलार चंद यादव की हत्या ने राज्य के राजनीतिक और सुरक्षा माहौल को झकझोर कर रख दिया । इस घटना पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार पर जमकर निशाना साधा है। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में चुनाव आचार संहिता लागू है, फिर भी लोग खुलेआम बंदूक और गोली लेकर घूम रहे हैं। बिहार में पहले भी गोलीबारी की घटनाएं हुई हैं, लेकिन आज दुलार चंद की हत्या हो गई। यह दिखाता है कि सत्ता किसे संरक्षण दे रही है।

खुलासा: दुलारचंद यादव की मौत गोली लगने से नहीं हुई

दुलारचंद यादव की हत्या के बाद आज उनके अंतिम यात्रा में भी जमकर बवाल हुआ। अब पोस्टमोर्टम रिपोर्ट भी आ गई है, जिसमें डॉक्टर ने एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि आज दुलारचंद यादव का अनुमंडलीय अस्पताल में तीन सदस्यीय टीम के द्वारा पोस्टमार्टम किया गया। इस टीम में डॉ अजय कुमार, डॉ रोहन और डॉ दिलीप शामिल थे। अनुमंडलीय अस्पताल में पोस्टमार्टम करने वाले डॉ अजय कुमार ने बताया कि दुलारचंद यादव की पोस्टमोर्टम रिपोर्ट आ गई है, जिसे हमने सरकार के पास भेज दिया है। अब तक के रिपोर्ट में जो बात सामने आई, वह यह है कि उन्हें अंदरूनी चोट थी। बाएं पैर में गोली लगी है, लेकिन उस गोली से मौत नहीं हो सकती। गोली ठेहुना के आर-पार हो गई थी। पूरे शरीर में चोट लगी थी। सीने में भी चोट थी। 10-12 एक्स-रे भी किया गया है, जिसका रिपोर्ट आना अभी बाकी है।

लालू की बेटी ने साधा भाजपा पर निशाना, कहा- योगी यूपी में चलाएं बुलडोजर

मीसा भारती ने एनडीए सरकार के संकल्प पत्र और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बिहार दौरे पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने योगी आदित्यनाथ को उत्तर प्रदेश में बुलडोजर चलाने की सलाह दी। लालू प्रसाद यादव की बेटी मीसा भारती ने कहा कि एनडीए को 20 साल बाद बिहार के छात्रों को केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा देने का वादा याद आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं ने कई बच्चों का भविष्य बर्बाद कर दिया है और इस बार बिहार की जनता इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। मीसा भारती ने दावा किया कि बिहार से एनडीए की विदाई तय है। लालगंज में यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ की चुनावी जनसभा पर मीसा भारती ने टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि बिहार में भाजपा नेताओं का अकाल पड़ गया है, जिसके चलते उन्हें उत्तर प्रदेश से 'भाड़े पर' नेताओं को बुलाना पड़ रहा है। मीसा भारती ने स्पष्ट किया कि बिहार में यूपी के नेताओं की एंट्री नहीं होनी चाहिए और योगी आदित्यनाथ को अपने राज्य में बुलडोजर चलाना चाहिए।

कोटा में कार और स्कूल वैन की भिड़ंत, दो छात्राओं की मौत, कई घायल

कोटा। राजस्थान के कोटा में आज सुबह एक भीषण हादसा देखने को मिला, जिसमें स्कूल के 2 बच्चों की मौत हो गई और 1 दर्जन से अधिक बच्चे घायल हैं। बच्चों को ले जा रही स्कूल वैन अचानक एक स्कॉ कार से टकरा गई। हादसे के बाद वैन में चीख-पुकार मच गई। यह हादसा कोटा के इटावा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे की वजह वैन का टायर फटना था। 132 केवी ग्रिड स्टेशन के पास वैन का टायर अचानक फट गया। यही नहीं, वैन उल्टी दिशा में चल रही थी, जिसके कारण वैन सामने से आ रही कार से टकरा गई।यह टक्कर इतनी भयानक थी कि 2 बच्चों की जान चली गई और 1 दर्जन से ज्यादा बच्चों को गंभीर चोटें आई हैं। वहीं, कार सड़क पर पलटते हुए लगभग 20 फीट दूर जाकर गिरी।

एनआरआई फ़ारूकी ने लॉन्च किया मध्यप्रदेश का पहला फ्री ट्रेवल पोर्टल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल के मूल निवासी और ब्रिटिश नागरिक आबिद फ़ारूकी ने मध्यप्रदेश व विश्वभर के एनआरआई के लिए 'एमपी एनआरआई ग्लोबल' नामक निःशुल्क यात्रा पोर्टल और हेल्पलाइन शुरू की। इसका उद्देश्य यात्रियों को वीज़ा, इमिग्रेशन, पासपोर्ट, फ्लाइट बुकिंग, ट्रांज़िट नियम, मुद्रा विनिमय, बीमा व अन्य यात्रा सहायता घर बैठे उपलब्ध कराना है। दो सप्ताह में ही पोर्टल से 10 देशों के लगभग 800 एनआरआई जुड़ चुके हैं, जिनमें ब्रिटेन, अमेरिका, जर्मनी, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा शामिल हैं। सभी सवालों के लिए व्हाट्सएप हेल्पलाइन +91 74155 37825 पर संपर्क किया जा सकता है।लंदन से आबिद फारूकी अपनी अंतरराष्ट्रीय एनआरआई टीम (यूके, यूएस, दुबई, जर्मनी, नीदरलैंड्स आदि के सदस्यों सहित) के साथ इस पोर्टल का संचालन कर रहे हैं। इस पहल से मध्यप्रदेश का यह पहला और सबसे बड़ा ग्लोबल एनआरआई ट्रेवल पोर्टल बन गया है।

मेट्रो एंकर | आज से बैंकों के नियमों में कई बड़े बदलाव

अब ईमेल-मोबाइल नंबर देना जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

आज से बैंकों के नियमों में कई बड़े बदलाव गए हैं। इनका प्रभाव लोगों की बैंकिंग सुविधाओं पर पड़ेगा। नए बैंकिंग नियम 1 नवंबर 2025 से लागू होंगे, इसके तहत अकाउंटधारक अपने बैंक खातों के लिए अधिक से अधिक चार लोगों को नामांकित व्यक्ति(नॉमिनी) कर सकेगा। हालांकि पहले यह इसकी सीमा दो ही थी। वहीं अब चार नामांकित लोगों के होने से ये लोग अपने धन और संपत्तियों पर अपना नियंत्रण प्राप्त कर सकेंगे।इस व्यवस्था का मकसद दावा निपटान प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी के साथ ही सुगम और सुव्यवस्थित बनाना है।

मामलों का जल्द हो सकेगा निराकरण

नए नियमों के मुताबिक बैंकों को अब नामांकित व्यक्ति का मोबाइल फोन के साथ ही उसका ईमेल आईडी भी दर्ज करना अनिवार्य होगा। इस परिवर्तन से बैंक के खाताधारकों के रुपये की सुरक्षा के साथ ही किसी भी तरह की इमरजेंसी में त्वरित दावा निपटान को सुगमता पूर्वक लागू किया जा सकेगा।

आरबीआई ने दिया निर्देश

बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 के अंतर्गत बैंकों को अब अधिक से अधिक चार नामांकित व्यक्ति के नाम जोड़ने की सुविधा होगी। इसके अलावा उनके विवरण के साथ ही ईमेल पते और मोबाइल फोन नंबर भी अनिवार्य होंगे। इस बारे में भारतीय रिजर्व बैंक ने निर्देश दिया है कि इन नियमों को 2025 से पहले लागू किया जाए बैंक अकाउंटधारक अब अपने परिवार के अलावा दोस्तों या किसी व्यक्ति को अपनी जमा राशि सौंप सकते हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564